राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार, 31 मई 2022 वर्ष–5,अंक–125 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नेपाल विमान हादसे में मारे गए भारतीय परिवार की हुई पहचान

मुंबई। नेपाल विमान हादसे में मारे गए भारतीय परिवार की पहचान हो गई है। सभी महाराष्ट्र के ठाणे के रहने वाले थे। जान गंवाने वालों में माता-पिता और उनके दो बच्चे शामिल थे। कपूरबावड़ी थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक उत्तम सोनवणे ने बताया कि वे दर्शन करने के लिए मुक्तिनाथ मंदिर जा रहे थे। चारों भारतीयों की पहचान अशोक कुमार त्रिपाठी, धनुष त्रिपाठी, रितिका त्रिपाठी और वैभवी त्रिपाठी के रूप में की गई है।

माउंट धौलागिरी से मुड़ने के बाद टूटा था संपर्क–मुख्य जिला अधिकारी नेत्र प्रसाद शर्मा ने समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए बताया कि विमान को मस्टैंग जिले में जोमसोम के आसमान के ऊपर देखा गया था और फिर माउंट धौलागिरी की ओर मोड़ दिया गया था, जिसके बाद इसका संपर्क टूट गया।

लामचे नदी के किनारे दुर्घटनाग्रस्त हुआ–स्थानीय लोगों द्वारा नेपाल सेना को दी गई जानकारी के अनुसार तारा एयर का यह विमान लामचे नदी के पास दुर्घटनाग्रस्त हुआ। सेना के प्रवक्ता नारायण सिलवाल ने कहा कि कल बर्फबारी के कारण रोके जाने के बाद तलाशी अभियान फिर से शुरू किया गया है। रविवार को मुस्तांग जिले में बर्फबारी होने के कारण विमान को तलाशने में जुटे सभी हेलिकॉप्टरों को वापस बुला लिया गया था।

पायलट कैप्टन के फोन को ट्रैक किया–खास बात यह है कि विमान की लोकेशन का पता विमान के पायलट के फोन को ट्रैक करके लगाया गया है। नेपाल टेलीकॉम ने ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) नेटवर्क के जरिए पायलट कैप्टन प्रभाकर घिमिरे के फोन को ट्रैक किया था।

कुछ शवों की पहचान मुश्किल– नेपाल के पुलिस इंस्पेक्टर राज कुमार तमांग के नेतृत्व में एक टीम घटना स्थल पर पहुंच गई है। तमांग ने बताया कि कुछ शवों की पहचान मुश्किल है।

'तपस्या में कुछ कमी रह गई, क्या मैं इमरान भाई से कम योग्य हूं?', कांग्रेस में बगावत के सुर

राज्यसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की ओर से उम्मीदवारों का एलान कर दिया गया है। इमरान प्रतापगढ़ी का नाम सामने आते ही कांग्रेस में बगावती सुर भी सुनाई देने लगे हैं। कुछ कांग्रेस नेताओं ने तो सीधे तौर पर इमरान का नाम लेकर पार्टी पर निशाना साधा है।

नई दिल्ली। राज्यसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की ओर से उम्मीदवारों का एलान कर दिया गया है। पार्टी की ओर से जारी सूची में 10 उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं, जिसमें पी चिदंबरम को तमिलनाडु, जयराम रमेश को कर्नाटक, राजीव शुक्ला को छत्तीसगढ़, प्रमोद तिवारी और मुकुल वासनिक को राजस्थान से टिकट दिया गया है।

इस सूची में सबसे चौंकाने वाला नाम इमरान प्रतापगढ़ी का है, जिन्हें महाराष्ट्र से राज्यसभा के लिए उम्मीदवार बनाया गया है। उनका नाम सामने आते ही कांग्रेस में बगावती सुर भी सुनाई देने लगे हैं। कुछ कांग्रेस नेताओं ने तो सीधे तौर पर इमरान का नाम लेकर पार्टी आलाकमान पर निशाना साधा है।

● इस सूची में सबसे चौंकाने वाला नाम इमरान प्रतापगढ़ी का है, जिन्हें महाराष्ट्र से राज्यसभा के लिए उम्मीदवार बनाया गया है। उनका नाम सामने आते ही कांग्रेस में बगावती सुर भी सुनाई देने लगे हैं। कुछ कांग्रेस नेताओं ने तो सीधे तौर पर इमरान का नाम लेकर पार्टी आलाकमान पर निशाना साधा है।

तपस्या में कमी रह गई–राज्यसभा के लिए सूची जारी होने के बाद कुछ कांग्रेसी नेता तो मौन हैं, लेकिन कुछ मुखर होते नजर आ रहे हैं। इसमें पहला नाम पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा का नाम है। 10 उम्मीदवारों के नामों का एलान होने के बाद उन्होंने ट्वीट कर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इशारों ही इशारों में अपनी बात कही। पवन खेड़ा ने ट्वीट किया, शायद मेरी तपस्या में ही कुछ कमी रह गई। उनके इस बयान को सीधे तौर पर पार्टी के फैसले के खिलाफ माना जा रहा है।

इमरान पर साधा निशाना

पवन खेड़ा के अलावा अभिनेत्री व कांग्रेस नेता नगमा ने भी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सीधे तौर पर इमरान खान को लेकर पार्टी आलाकमान पर निशाना साधा है। पवन खेड़ा के ट्वीट को री-ट्वीट करते हुए लिखा, हमारी भी 18 साल की तपस्या इमरान भाई के आगे कम पड़ गई। इसके बाद नगमा ने एक और ट्वीट के जरिए पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी पर निशाना साधा है। नगमा ने लिखा, सोनिया जी ने कहने पर जब मैं 2003-04 में पार्टी में शामिल हुई थी, जब उन्होंने मुझे राज्यसभा भेजने के लिए कहा था। तब से 18 साल हो गए, लेकिन हमें मौका नहीं मिला। वहीं महाराष्ट्र से इमरान प्रतापगढ़ी को राज्यसभा भेजा जा रहा है। क्या मैं कम योग्य हूं?

5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी पर काम शुरू, इस साल मिल सकती है सेवा

नई दिल्ली। देश में 5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी पर जमीनी कार्य शुरू हो चुका है। इस साल इसकी सेवा शुरू की जा सकती है। दूरसंचार के मामले में भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश है। बड़ी संख्या में रोजगार भी इसके जरिये पैदा होंगे। 2025 कर 2.2 करोड़ सक्षम कामगारों की 5जी केंद्रित तकनीक के लिए जरूरत होगी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इस सेवा से देश में स्टार्टअप के इकोसिस्टम में तेजी गवर्नेंस में सुधार और जीवन को आसान बनाने के साथ कारोबार में भी मदद मिलेगी। भारत 2022 तक 25 लाख किलोमीटर तक ऑप्टिकल फाइबर को पहुंचान की योजना बना रहा है। इंडिया ब्रांड इक्विटी फाउंडेशन के अनुसार, भारत में 2026 तक 5जी के 35 करोड़ ग्राहक हो सकते हैं जो कुल मोबाइल फोन ग्राहकों का 27 फीसदी होगा।

इन क्षेत्रों में भी नौकरियां

दूरसंचार सचिव के राजारमन ने कुछ दिन पहले कहा था कि भारत में नेट से लेकर अंतरिक्ष कम्युनिकेशन और 5जी से लेकर फिक्स्ड लाइन ब्रॉडबैंड सेवाओं जैसे क्षेत्र में बड़ी संख्या में रोजगार पैदा होंगे। उन क्षेत्रों में ज्यादा नौकरियां पैदा होंगी, जहां पर अभी काफी कम हैं। जल्द ही हम नीतिगत बाधाओं को दूर करने की उम्मीद करते हैं।

एक लाख लोगों को प्रशिक्षण देगी परिषद

दूरसंचार क्षेत्र कौशल परिषद ने कहा कि 5जी, क्लाउड कंप्यूटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, बिग डाटा एनालिसिस जैसी नई प्रौद्योगिकी भूमिकाओं में 1.5 लाख से अधिक पेशेवरों की मांग है। इस क्षेत्र में मांग व आपूर्ति में 28 फीसदी का अंतर है, जो लगातार बढ़ता जाएगा। परिषद 5जी सेवाओं के लिए 3 वर्षों में एक लाख लोगों को प्रशिक्षित करेगी।

भारत ने रूस से उर्वरक आयात का किया करार, आगामी खरीफ सीजन में मिलेगी राहत

नई दिल्ली। भारत ने रूस के साथ दीर्घावधि उर्वरक आयात करार कर लिया है। बढ़ती कीमतों व आगामी खरीफ सीजन को देखते हुए यह करार राहतकारी साबित होगा। यूक्रेन पर हमले के बाद रूस पर लगी पाबंदियों के बावजूद भारत ने रूस से तेल खरीदी जारी रखकर और उर्वरक खरीदी का समझौता कर किसी देश के दबाव में नहीं आने का साफ संकेत दे दिया है। भारत ने उर्वरक आयात के लिए रूस के साथ फरवरी में सरकार स्तर की वार्ता शुरू की थी। ये पूरी हो गई है। इसके तहत अब भारत रूस से लंबे समय तक उर्वरक आयात कर सकेगा। भारतीय अधिकारियों ने बताया कि रूस के साथ उर्वरक आयात वस्तु विनिमय समझौते के तहत अंतिम रूप दे दिया है। बार्टर एग्रीमेंट या वस्तु विनिमय के तहत नकद लेन-देन की बजाए किसी वस्तु के आयात के बदले में दूसरी वस्तु दी जाती है। भारत बड़े पैमाने पर उर्वरकों का आयात करता है। देश की आधी से ज्यादा आबादी कृषि पर निर्भर है। देश की 2.7 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र की 15 फीसदी

हिस्सेदारी है। वैश्विक भू राजनीतिक स्थिति और उर्वरक के बढ़ते दाम को देखते हुए भारत ने फरवरी में ही रूस से आयात की चर्चा शुरू कर दी थी। रूस ने इसके बाद यूक्रेन के खिलाफ सैन्य कार्रवाई शुरू की है।

भारत चाय, कच्चा माल व ऑटो का करेगा निर्यात

रूस पर लगी पाबंदियों को देखते हुए भारत उर्वरक आयात के बदले में रूस को नकद भुगदान की बजाए चाय, कच्चा माल और ऑटो मोबाइल की वस्तुओं का निर्यात करेगा। भारत उर्वरकों का दूसरा सबसे बड़ा आयातक है। वह हर साल रूस से 10 लाख टन डाई-अमोनियम फॉस्फेट और 8,00,000 टन नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटेशियम आयात करता है।

उर्वरक सब्सिडी बिल दोगुना होगा

यूक्रेन युद्ध के कारण उर्वरकों की वैश्विक कीमतों में उछाल आ गया है। इस बीच, मोदी सरकार ने किसानों को इसकी मार से बचाने के लिए 1.10 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त उर्वरक सब्सिडी देने का फैसला किया है। इससे चालू वित्त वर्ष (2022-23) में सरकार का उर्वरक सब्सिडी बिल दोगुना होकर 2.15 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच जाएगा।

ट्रक और एक खड़ी लॉरी में भीषण टक्कर से 6 लोगों की मौत, 10 घायल

अमरावती। आंध्र प्रदेश में एक भीषण सड़क हादसा हुआ है। राज्य के पलनाडु जिले में एक ट्रक और एक खड़ी लॉरी के बीच भयानक टक्कर हुई है। इस सड़क दुर्घटना में छह लोगों की मौत हो गई है और दस अन्य घायल हो गए हैं। घायलों को नरसरावपेट के गुरजाला सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गुरजाला के डीएसपी जयराम के अनुसार घायलों को गंभीर चोटें आई हैं।

गुरजाला के पुलिस उपाधीक्षक ने दी हादसे की जानकारी-गुरजाला के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) जयराम ने कहा कि मिनीवैन श्रीशैलम से आ रही थी। दुर्घटना के समय मिनीवैन में 39 यात्री सवार थे। उन्होंने बताया कि पलनाडु जिले में ये गंभीर सड़क दुर्घटना हुई। इनमें छह लोगों की मौत हो गई। अन्य 10 गंभीर रूप से घायल हो गए। डीएसपी ने कहा सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर गई और बचाव कार्य शुरु किया। घायलों को नरसरावपेट के गुरजाला सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है और इसकी जांच की जा रही है।

बता दें कि टक्कर के बाद लारी पलट जाने से कई लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। कुछ के लारी के नीचे दबने से मौत की आशंका है।

विधायकों का इनकम टैक्स भर रहीं सरकारें

जनता की जेब से टैक्स चुका रहे 7 राज्य, सिर्फ यूपी और हिमाचल ने रोक लगाई

नई दिल्ली। देश में सांसदों-विधायकों के वेतन-भत्तों पर कई बार बहस होती रही है। मगर एक मुद्दा कभी राष्ट्रीय पटल पर नहीं आया। देश में अभी 7 राज्य ऐसे हैं जो किसी न किसी रूप में मुख्यमंत्री-मंत्रियों, विधायकों का सिर्फ वेतन ही नहीं, इस वेतन पर बनने वाला इनकम टैक्स भी सरकारी खजाने से चुका रहे हैं। पहले ऐसे राज्यों की संख्या 9 थी। लेकिन 2019 में यूपी और 2022 में हिमाचल ने व्यवस्था बदली। लोकसभा के पूर्व महासचिव पीडीटी आचारी कहते हैं कि संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति की आय उसकी व्यक्तिगत आय है। इसमें मुख्यमंत्री, मंत्री या विधायक के पद पर मिलने वाली उसका वेतन भी शामिल है। अपनी निजी आय पर टैक्स भरने की जिम्मेदारी व्यक्तिगत होती है, इसे सरकारी खजाने से अदा नहीं किया जा सकता। यदि किसी भी पद पर आसीन व्यक्ति का आयकर सरकारी खजाने से भरा जा रहा है तो यह कानून और संविधान के खिलाफ है।

कानून में बदलाव कर लागू की व्यवस्था–जनता की जेब पर दोहरी मार डालने वाले राज्यों में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, पंजाब, हरियाणा, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना शामिल हैं। इन सभी राज्यों ने जनप्रतिनिधियों के वेतन-भत्ते से जुड़े कानून में अपने हिसाब से संशोधन कर यह व्यवस्था लागू की है।

ये राज्य विधायकों के टैक्स पर खर्च कर रहे हैं हमारा पैसा

मध्य प्रदेश– सीएम-मंत्रियों, विधानसभा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष का इनकम टैक्स सरकारी खजाने से जाता है। विधायकों का मूल वेतन 30 हजार है, यानी वे इनकम टैक्स के दायरे में नहीं आते।

छत्तीसगढ़– सभी विधायकों का इनकम टैक्स राज्य सरकार भरती है। वर्ष 2000 से ही यह व्यवस्था लागू है।

हरियाणा– सीएम, मंत्रियों, विधानसभा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष का इनकम टैक्स सरकार देती है। विधायकों के सिर्फ भत्तों पर इनकम टैक्स सरकार देती है।

झारखंड– यहां 2015 से विधायकों के वेतन पर इनकम टैक्स सरकार भर रही है। इनके इनकम टैक्स पर सरकार सालाना करीब 5 करोड़ खर्च करती है।

पंजाब– यहां 117 विधायक हैं। इनके इनकम टैक्स पर सरकार सालाना 11.08 करोड़ खर्च करती है। इस बार बजट सत्र में आप सरकार इस पर प्रस्ताव ला सकती है।

आंध्र प्रदेश-तेलंगाना– दोनों राज्यों में सीएम-मंत्रियों, विधानसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का आयकर सरकार देती है।

बेकार नहीं गई मेहनत, P में BJP ने इन 2 नेताओं को दे ही दिया 'मीठा फल'

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश से राज्यसभा चुनाव के लिए 6 उम्मीवारों की घोषणा की है। फिलहाल, दो और नामों को लेकर अटकलों का दौर जारी है। लेकिन इस सूची में भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मीकांत वाजपेयी और गोरखपुर से पूर्व विधायक राधा मोहन दास अग्रवाल के नाम ने राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं बढ़ा दी हैं। कहा जा रहा है कि भाजपा ने इस उम्मीदवारी के जरिए अपने इन दो दिग्गजों को पार्टी के प्रति मेहनत का इनाम दिया है।

गोरखपुर सदर से चार बार के विधायक अग्रवाल ने साल 2002 से क्षेत्र के प्रतिनिधि थे। लेकिन हाल ही के चुनावों में उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लिए यह सीट छोड़ दी थी। पहली बार उन्होंने हिंदू महासभा के टिकट पर चुनाव लड़ा था। बाद में वह भाजपा में शामिल हुए और चुनावी मैदानों में बड़ी भूमिका निभाई। वहीं, यूपी की राजनीति का लोकप्रिय चेहरा होने के बावजूद लंबे समय से वाजपेयी के सियासी तारे गर्दिश में थे। उन्होंने 2014 में भाजपा की कमान ऐसे समय पर संभाली थी, जब पार्टी जमीन मजबूत करने की जद्दोजहद कर रही थी।

लगातार हो रही थी तारीफें

पेशे से बाल रोग विशेषज्ञ अग्रवाल का सियासी कद योगी के समर्थन से लगातार बढ़ता रहा है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा और प्रदेश चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान ने सार्वजनिक तौर पर अग्रवाल की तारीफ की थी। पार्टी के बड़े नेताओं की तरफ से डॉक्टर अग्रवाल को लेकर मिल रही इस प्रतिक्रियाओं को भी बड़े संकेत के तौर पर देखा जा रहा था।

सीएम योगी के तस्वीर में आने के बाद चुनावी मैदान से पीछे हटे डॉक्टर अग्रवाल के सियासी भविष्य को लेकर उस दौरान चर्चाएं तेज हो गई थीं। इतना ही नहीं समाजवादी पार्टी सुप्रीमो अखिलेश यादव भी उन्हें टिकट देने का प्रस्ताव दिया था, लेकिन उनका भाजपा के साथ जुड़ाव बरकरार रहा। साल 2002 में आदित्यनाथ ने भाजपा उम्मीदवार शिव प्रताप शुक्ला के खिलाफ अग्रवाल का समर्थन किया था। इसके बाद उन्होंने भाजपा उम्मीदवार के तौर पर 2007, 2012 और 2017 चुनाव जीते।

यूपी और खासतौर से पश्चिम उत्तर प्रदेश की राजनीति का मजबूत ब्राह्मण चेहरा वाजपेयी की भी राज्यसभा चुनाव में एंट्री हो गई है। लंबे समय से सियासी तौर पर संघर्ष कर रहे वायपेयी को टिकट मिलने को पार्टी के बड़े फैसले के तौर पर देखा जा रहा है। यूपी के मौजूदा उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने साल 2016 में भाजपा के प्रदेश प्रमुख का जिम्मा संभाला था। इसके बाद से ही उनकी राजनीति गुमनामी में चली गई थी।

इसके अलावा साल 2017 के विधानसभा चुनाव में मेरठ से मिली हार ने भी उन पर काफी असर डाला। एक ओर जब पार्टी अपने वफादारों को विधान परिषद या राज्यसभा भेज रही थी, तब वाजपेयी को कई मौकों पर नजरअंदाज किया गया। लेकिन विधानसभा चुनाव 2022 से कुछ समय पहले ही उन्हें एक समिति का प्रमुख बनाया गया, जो विपक्षी दलों से भाजपा में जुड़ने वाले नेताओं की प्रक्रिया देख रही थी।

वहीं, उम्मीदवार के तौर पर उनके चुनाव के कई कारण हो सकते हैं। पहला, वाजपेयी के जरिए भाजपा पश्चिम यूपी को भी बड़ा नेतृत्व देने की तैयारी कर रही है। दूसरा, भाजपा इनके जरिए पार्टी के ब्राह्मण नेताओं को एकजुट करने की भी कोशिश कर रही है।

इन दोनों वरिष्ठ नेताओं के अलावा पार्टी ने सुरेंद्र सिंह नागर, बाबूराम निषाद, दर्शना सिंह और संगीता यादव को उम्मीदवार बनाया है। 10 जून को होने वाले चुनाव के लिए भाजपा ने रविवार को 8 राज्यों के लिए 16 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार सत्य से प्यार करें और गलती को क्षमा कर दें। - वाल्टेयर

संपादकीय

नेताओं पर कुछ पाबंदियां जरुरी

(लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

संसद की संयुक्त समिति ने एक आदेश जारी किया है, जिसके कारण अब सांसदों को सिर्फ अपनी एक ही पेंशन पर गुजारा करना होगा। अभी तक एक सांसद को, यदि वह विधायक भी रहा हो और सरकारी कर्मचारी भी रहा हो तो तीन-तीन पेंशनें लेने की सुविधा बनी हुई है। हमारे सांसदों को तीन लाख 30 हजार रु. तो हर महिने वेतन के तौर पर मिलते ही हैं, उन्हें तरह-तरह की इतनी सुविधाएं भी मिलती हैं कि उन सबका हिसाब बाजार भाव से जोड़ा जाए तो उन पर होनेवाला सरकारी खर्च कम से कम 10 लाख रु. प्रति माह होता है। जबकि भारत के लगभग 100 करोड़ लोग 10 हजार रु. प्रति माह से भी कम में गुजारा करते हैं। हमारे वे सांसद और विधायक बिल्कुल भौंदू माने जाएंगे, जो सिर्फ अपने वेतन और भत्तों पर ही निर्भर होंगे। राजनीति में आनेवाला हर व्यक्ति, चाहे वह किसी भी पार्टी का हो, उसके लिए यह सरकारी वेतन और भत्ते तो ऊँट के मुंह में जीरे के समान हैं। हमारी राजनीति का शुद्धिकरण तभी हो सकता है जबकि हमारे जन-प्रतिनिधि आचार्य कौटिल्य की सादगी का अनुकरण करें या यूनानी विद्वान प्लेटो के दार्शनिक सेवकों की तरह रहें। प्रधानमंत्री ने खुद को 'प्रधान जनसेवक' कहा है, जो बिल्कुल उचित है लेकिन हमारे नेता गण वास्तव में जनता के प्रधान मालिक बन बैठते हैं। उनकी लूट-पाट और उनकी अकड़ हमारे नौकरशाहों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक होती है। वे उनसे भी ज्यादा अकड़बाज और लुटेरे बनकर ठाठ करते हैं। संसदीय समिति को बधाई कि उसने अभी सांसदों की दुगुनी-तिगुनी पेंशन पर रोक लगाई है लेकिन यह काम अभी अधूरा ही है। उसे पहला काम तो यह करना चाहिए कि सांसदों को अपने वेतन और भत्ते खुद ही बढ़ाने के अधिकार को वह समाप्त करे। दुनिया के कई लोकतांत्रिक देशों में यह अधिकार दूसरे संगठन को दिया गया है। इसके अलावा जरा यह भी सोचा जाए कि यदि कोई व्यक्ति पांच साल से कम समय तक संसद और विधायक रहे तो उसे पेंशन क्यों दी जाए? क्या सरकारी कर्मचारी और विश्वविद्यालयों के प्रोफेसरों को इस तरह पेंशन मिल जाती है? मेरी अपनी राय तो यह है कि सांसदों और विधायकों को कोई पेंशन नहीं लेनी चाहिए। इसके अलावा यदि विभिन्न राज्यों का हिसाब-किताब देखें तो वहां पेंशन के नाम पर लूट मची हुई है। कई राज्यों में जो विधायक कई बार चुने जाते हैं, उनकी पुरानी पेंशन में नई पेंशन भी जुड़ जाती है। पंजाब में अकाली दल के 11 बार विधायक रहे प्रकाशसिंह बादल को लगभग 6 लाख रु. प्रति माह पेंशन मिलती है। 'आप पार्टी' की मान सरकार इस प्रावधान पर रोक लगा रही है। इसके अलावा विधायकों के और भी कई मजे हैं। देश के सात राज्यों में विधायक लोगों की आय पर आयकर उनकी सरकारें भरती हैं। उन्हें भी सांसदों की तरह निवास, यात्राओं आदि की कई मुफ्त सुविधाएं मिली रहती हैं। जो सुविधाएं जन-सेवा के लिए जरुरी हैं, वे अवश्य दी जाएं लेकिन नेताओं की पेंशन, मोटी तनख्वाह और अनावश्यक सुविधाओं में यदि कटौती कर दी जाए तो हजारों करोड़ रु. की बचत हो सकती है, जिसका लाभ देश के वंचितों, गरीबों और पिछड़ों को पहुंचाया जा सकता है। आजकल देश के नेतागण अपने विज्ञापन छपाने और दिखाने पर अरबों-खरबों रु. खर्च कर रहे हैं। इस पर भी तुरंत पाबंदी लगनी चाहिए।

धूम्रपान के भयावह खतरे

(विश्व तम्बाकू निषेध दिवस (31 मई) पर विशेष/ लेखक- योगेश कुमार गोयल)

दुनियाभर में पिछले कई दशकों में हुए अनेक अध्ययनों के आधार पर धूम्रपान को लेकर सर्वविदित तथ्य यही है कि धूम्रपान हर दृष्टि से सेहत के लिए हानिकारक है लेकिन जब तमाम जानकारियों और तथ्यों के बावजूद हम अपने आसपास किशोरवय बच्चों को भी धूम्रपान करते देखते हैं तो स्थिति काफी चिंताजनक प्रतीत होती है। दरअसल ऐसे किशोरों के मनोमस्तिष्क में धूम्रपान को लेकर कुछ गलत धारणाएं विद्यमान होती हैं, जैसे धूम्रपान से उनके शरीर में चुस्ती-फुर्ती आती है, उनका मानसिक तनाव कम होता है, मन शांत रहता है, व्यक्तित्व आकर्षक बनता है, कब्ज की शिकायत दूर होती है आदि-आदि। तमाम वैज्ञानिक शोधों के बावजूद ऐसे व्यक्ति समझना ही नहीं चाहते कि धूम्रपान करने से उनके अंदर ऐसी कोई ताकत पैदा नहीं होने वाली कि देखते ही देखते वो किसी ऊंचे पर्वत पर छलांग लगा सकें या महाबली पवनपुत्र हनुमान की भांति विशाल समुद्र लांघ जाएं। वास्तविकता यही है कि धूम्रपान एक ऐसा धीमा जहर है, जो धीमे-धीमे इसका सेवन करने वाले व्यक्ति का दम घोंटता है। धूम्रपान शरीर में कई प्रकार की प्राणघातक बीमारियों को जन्म देता है और ऐसे व्यक्ति को धीमी गति से मृत्यु शैया तक पहुंचा देने का माध्यम बनता है। भारत में तम्बाकू का सेवन करने वालों का सर्वेक्षण करने वाली संस्था 'टोबेको इंस्टीच्यूट ऑफ इंडिया' के अनुसार हमारे यहां लोग प्रतिवर्ष 950 करोड़ से ज्यादा सिगरेटें पी जाते हैं, जिनकी औसतन कीमत दो हजार करोड़ रुपये से भी अधिक आंकी गई है। धूम्रपान करने वालों द्वारा सालभर में सात हजार करोड़ से ज्यादा सिगरेटें फूंक दी जाती हैं। हर साल फूंकी जाने वाली इन्हीं सिगरेटों के धुएं से वातावरण भी कितना प्रदूषित होता है, इसका अनुमान इसी से लगा सकते हैं कि इस खतरनाक धुएं से करीब 50 टन तांबा, 15 टन शीशा, 11 टन कैडमियम तथा कई अन्य खतरनाक रसायन वातावरण में घुलते हैं। हालांकि सिगरेटें महंगी होने के कारण भारत में बीड़ी का प्रचलन निम्न तथा मध्यमवर्गीय तबके में ज्यादा है और ऐसा अनुमान है कि देश में प्रतिवर्ष सौ अरब रुपये मूल्य से भी अधिक की बीड़ियों का सेवन किया जाता है। धूम्रपान की वजह से देश पर पड़ते आर्थिक बोझ की बात करें तो इससे भारत को प्रतिवर्ष 26 बिलियन डॉलर का बोझ उठाना पड़ता है। एक सरकारी अध्ययन के मुताबिक तम्बाकू सेवन से होने वाली बीमारियों के इलाज पर सालभर में करीब 1.04 लाख करोड़ रुपये खर्च हो जाते हैं। करीब तीन दशक पूर्व प्रकाशित अपनी पुरस्कृत पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' में मैंने विस्तार से यह बताया है कि धूम्रपान वास्तव में एक ऐसा धीमा जहर है, जो हमारे शरीर में धीरे-धीरे प्राणघातक रोगों को जन्म देता है और व्यक्ति को धीमी गति से मृत्यु शैया पर पहुंचा देता है। 2019 में धूम्रपान के कारण दुनियाभर में 77 लाख लोगों की मौत हुई, जिनमें से 17 लाख मौतें इस्केमिक हार्ट डिजीज के कारण, 16 लाख सीपीओडी के कारण, 13 लाख ट्रैकियल, ब्रोंकस और फेफड़ों के कैंसर से तथा 10 लाख स्ट्रोक के कारण हुई। रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में होने वाली मौतों में से हर 5 में से 1 पुरूष की मौत धूम्रपान के कारण हो रही है। भारत में प्रतिदिन धूम्रपान से मरने वालों की संख्या सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों के मुकाबले 20 गुना है जबकि एड्स से देश में जितनी मौतें 10 वर्ष में होती हैं, उतनी मौतें धूम्रपान की वजह से मात्र एक सप्ताह में ही हो जाती हैं। एक जानकारी के अनुसार देश में प्रतिदिन 3000 से अधिक व्यक्तियों की मृत्यु तम्बाकू जनित बीमारियों के कारण होती है, जिनमें 10 फीसदी ऐसे होते हैं, जो स्वयं तो धूम्रपान नहीं करते लेकिन धूम्रपान करने वालों के निकट होते हैं। विभिन्न सर्वेक्षणों के अनुसार माना गया है कि विकसित देशों में चालीस फीसदी से ज्यादा पुरूष और इक्कीस फीसदी से ज्यादा स्त्रियां धूम्रपान करती हैं जबकि विकासशील देशों में सिर्फ आठ फीसदी स्त्रियों को इसकी लत लगी है तथा पुरूषों की संख्या पचास फीसदी से अधिक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार तम्बाकू के सेवन के कारण प्रतिदिन करीब आठ हजार व्यक्ति फेफड़ों के कैंसर के शिकार होकर मर जाते हैं। संगठन का अनुमान है कि यदि दुनियाभर में धूम्रपान की लत ऐसे ही बढ़ती रही तो बहुत जल्द धूम्रपान के कारण पचास करोड़ लोग मारे जा चुके होंगे और अगले तीस वर्षों में केवल गरीब देशों में ही धूम्रपान से मरने वालों की संख्या दस लाख से बढ़कर सत्तर लाख तक पहुंच जाएगी। संगठन का अनुमान है कि प्रतिवर्ष विश्वभर में आठ हजार से ज्यादा नवजात शिशु धूम्रपान की वजह से असमय काल के ग्रास बन जाते हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि सभी प्रकार के कैंसर में से करीब 40 फीसदी का कारण धूम्रपान ही होता है। धूम्रपान करने वालों को धूम्रपान न करने वालों की अपेक्षा फेफड़ों का कैसर होने की संभावना 15 गुना अधिक होती है। डब्ल्यूएचओ का स्पष्ट तौर पर कहना है कि कैंसर, हृदय रोग, सांस की बीमारी, डायबिटीज इत्यादि बीमारियों में भी धूम्रपान काफी खतरनाक हो सकता है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को धूम्रपान से बचना चाहिए। 'मौत को खुला निमंत्रण' पुस्तक में बताया गया है कि सिगरेट के धुएं में पोलिनियम 210, कार्बन मोनोक्साइड, कार्बन डाइआक्साइड, निकल, पाईरीडिन, बेंजीपाइरीन, नाइट्रोजन आइसोप्रेनावाइड, अम्ल, क्षार, निकोटीन, टार, जिंक, हाइड्रोजन साइनाइड, कैडमियम, ग्लायकोलिक एसिड, सक्सीनिक एसिड, एसीटिक एसिड, फार्मिक एसिड, मिथाइल क्लोराइड इत्यादि चार हजार से भी ज्यादा घातक रासायनिक तत्व विद्यमान होते हैं, जो मानव शरीर को विभिन्न प्रकार से नुकसान पहुंचाते हैं। गर्भवती महिलाओं द्वारा धूम्रपान किए जाने से कम लम्बाई और कम वजन के बच्चों का जन्म, बच्चों में अपंगता तथा बाल्यावस्था में ही घातक हृदय रोग जैसी बीमारियों का खतरा काफी बढ़ जाता है। प्रतिदिन बीस सिगरेट तक पीने वाली गर्भवती महिला के बच्चे की मृत्यु होने की संभावना सामान्य के मुकाबले बीस फीसदी बढ़ जाती है जबकि बीस से अधिक सिगरेट पीने पर यह खतरा पैंतीस फीसदी तक हो जाता है। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के मुताबिक किसी दूसरे के धूम्रपान के धुएं के प्रभाव से दिल के दौरे से होने वाली मौतों की आशंका तीस फीसदी बढ़ जाती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार प्रतिदिन एक पैकेट सिगरेट पीने वाला व्यक्ति अपने जीवन के आठ दिन कम कर लेता है। बहरहाल, तमाम स्वास्थ्य विशेषज्ञों और शोधों का एक स्वर में यही कहना है कि धूम्रपान एक अत्यंत धीमा किन्तु प्राणघातक विष है, इसलिए स्वयं तो धूम्रपान से बचें ही, धूम्रपान के आदी लोगों को भी इस लत को छोड़ने के लिए प्रेरित करें। धूम्रपान छोड़ने के फायदों के बारे में विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि धूम्रपान छोड़ने के सिर्फ बीस मिनट के अंदर उच्च रक्तचाप में गिरावट आती है तथा बारह घंटे के बाद रक्त में कार्बन मोनोक्साइड के विषैले कणों का स्तर सामान्य हो जाता है। दो से बारह सप्ताह में फेफड़ों की कार्यक्षमता में तेजी से वृद्धि होती है तथा एक से नौ माह में खांसी तथा श्वसन संबंधी समस्याएं कम हो जाती हैं। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक मनुष्य के फेफड़ों में जादुई क्षमता होती है, जो धूम्रपान से होने वाले कुछ नुकसान को स्वयं ठीक कर देती है और जो व्यक्ति धूम्रपान छोड़ देते हैं, उनकी चालीस फीसदी कोशिकाएं ऐसे लोगों की तरह ही हो जाती हैं, जिन्होंने कभी धूम्रपान नहीं किया।

आज के कार्टुन

मुक्कों के बूते जरीन ने पाई सुनहरी जमीन

अरुण नैथानी

एक रूढ़िवादी मुस्लिम समाज से निकलकर इस्तांबुल में अपने मुक्कों के दमखम से सोना लाने वाली निखत जरीन की कामयाबी सचमुच नई उम्मीद जगाती है। अभी उसकी उम्र महज पच्चीस साल ही है। ऐसी स्वर्णिम सफलताएं हासिल करने के लिये उसके पास काफी वक्त है। उसका अगला निशाना पेरिस ओलंपिक है। उसने यह सुनहरा तमगा हाल ही में संपन्न महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में 52 किलोग्राम वर्ग में तुर्की में जीता। जरीन ने विश्व फ्लाइवेट फाइनल मुकाबले में थाईलैंड की जितपोंग को हराया। इस सुनहरे तमगे को जरीन अपने माता-पिता को समर्पित करती है। वह कहती है कि जब मेरा बुरा समय था और नाते-रिश्तेदारों से ताने ही मिल रहे थे, उस वक्त सिर्फ मेरे माता-पिता ही मेरे साथ थे। निखत कहती है कि मेरे पूरे फाइनल मुकाबले के दौरान मेरी मां ऊपर वाले से दुआ मांगती रही और वे दुआएं कबूल भी हुई हैं। वह कहती है- मेरे बुरे वक्त और चोट ने मुझे और मजबूत बनाया है। यूं तो जरीन विश्व महिला मुक्केबाजी चैंपियनशिप में सोना जीतने वाली पांचवीं महिला है, लेकिन उसकी यह कामयाबी इस मायने में खास है कि उसकी उम्र अभी सिर्फ पच्चीस साल है और उसका बहुत खेल बाकी है। उससे तमाम दूसरे सोने के तमगों की उम्मीद देश कर रहा है। निखत की इस कामयाबी ने पूरे देश को गौरवान्वित किया। प्रधानमंत्री व खेल संघों द्वारा दी गई बधाई से वह फूली नहीं समाई। गोल्ड मेडल जीतने के बाद पत्रकारों से जब निखत को पता चला कि वह सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रही है तो उसकी खुशी का ठिकाना न रहा। उसका कहना था कि उसका सपना था कि वह ट्विटर पर ट्रेंड करे। हालांकि, उसकी उपलब्धि किसी ट्रेंड से बहुत बड़ी है, लेकिन लगता है कि कहीं न कहीं दिल में पुरानी कसक बाकी थी। दरअसल, टोक्यो ओलंपिक के दौरान चयन को लेकर जरीन निराश थी। तब उसने खेल मंत्री से ओलंपिक के लिये चयनित विश्व मुक्केबाज मेरी कॉम से मुकाबला करने की मांग की थी। यह मुकाबला दिल्ली में हुआ और जरीन को करारी हार मिली, जिसके बाद वह ट्विटर पर ट्रोल हुई। कहीं न कहीं अवचेतन में यह कसक जरीन के मन में रही कि एक दिन वह जीत के जरिये ट्विटर पर ट्रेंड करे। इस सुनहरी सफलता ने उसे यह मौका दिया और उसे दोहरी खुशी मिली। तेलंगाना की निखत जरीन की इस कामयाबी में उसके परिवार का बड़ा योगदान रहा। उनका कहना था कि इस दिन के लिये वे सालों से प्रतीक्षा कर रहे थे; समाज के ताने सुन-सुनकर हमारे कान पक गये थे। इन चुनौतियों ने बेटी को मजबूत बनाया और मां-बाप उसके पीछे चट्टान की तरह खड़े रहे। नाते-रिश्तेदारों के उलाहने को दरकिनार करके उन्होंने बेटी की क्षमता पर भरोसा दिखाया। मां परवीन सुल्तान कहती हैं कि इस्तांबुल की जीत ने उनकी मुद्दतों की मुराद पूरी कर दी थी। इस दिन के लिये परिवार को लंबी प्रतीक्षा करनी पड़ी। वहीं पिता जमील अहमद की वर्षों की कसक को भी निखत ने दूर किया क्योंकि वे बचपन में बॉक्सर बनना चाहते थे, परिवार के हालात व अच्छे मौके न मिलने से वे ऐसा न कर सके। वे अपनी इस दशकों पुरानी इच्छा को जरीन के सुनहरे तमगे में पूरा होते देख प्रफुल्लित हैं। निस्संदेह, जरीन की वैश्विक स्तरीय कामयाबी नई पीढ़ी के मुक्केबाजों के लिये एक प्रेरणा ही है। उल्लेखनीय है कि निखत जरीन ने महज तेरह साल की उम्र में मुक्केबाजी की स्पर्धाओं में भाग लेने की शुरुआत की। इसके सिर्फ छह माह बाद उसने राज्यस्तरीय चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीत लिया। उसके कुछ महीने बाद वह सब जूनियर चैंपियनशिप में सर्वश्रेष्ठ मुक्केबाज बनी। उसकी प्रतिभा में तब निखार आया जब उसे भारतीय खेल प्राधिकरण से विधिवत प्रशिक्षण मिलने लगा। फिर जरीन ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। वर्ष 2011 में विश्व जूनियर व युवा चैंपियनशिप में स्वर्ण हासिल करके जरीन ने अपने सुनहरे इरादे जाहिर कर दिये। इसके बाद थाइलैंड में संपन्न एशियाई चैंपियनशिप में रजत पदक व बुल्गारिया में संपन्न मुक्केबाजी चैंपियनशिप में सोने का तमगा हासिल करके जरीन ने अपने विजय अभियान को जारी रखा। इसके बावजूद जरीन ने बॉक्सिंग रिंग व बाहर अपनी जगह बनाने के लिये बड़ा संघर्ष किया। तुर्की में मेरी कॉम की अनुपस्थिति और जरीन की कामयाबी यह बताती है कि भारतीय मुक्केबाजी में जरीन का नया दौर शुरू हो रहा है, जिसके लिये निखत जरीन आत्मविश्वास से भरी है। वह हैदराबादी नजाकत व मुक्कों के दमखम के साथ कामयाबी के नये सोपान तय करने को बेताब है। बहरहाल, एक परंपरावादी मुस्लिम परिवेश से निकलकर मुक्केबाजी के क्षेत्र में शिखर की कामयाबी हासिल करना, निखत जैसी हजारों लड़कियों को प्रेरणा देगा। जो बताता है कि इरादे मजबूत हों तो बाक्सिंग रिंग व बाहर भी अपनी अलग जगह बनायी जा सकती है। अपने सपनों को हकीकत बनाया जा सकता है। विश्व मुक्केबाजी चैंपियनिशिप में चार साल बाद भारत की झोली में स्वर्ण पदक डालने वाली निखत अब अगले पेरिस ओलंपिक की तैयारी में जुट गई है। अभी तो जरीन की शुरुआत है, उसे बड़े लक्ष्य हासिल करने हैं।

बराबरी

सद्गुरु

मुझे समझ में नहीं आता कि हमारा सारा फोकस सिर्फ महिलाओं पर ही क्यों है? शायद इसलिए क्योंकि हम मानते हैं कि वे या तो सही हो सकती हैं या गलत, और पुरु ष तो हमेशा सही ही होते हैं। आपको समझना होगा कि प्रकृति ने महिलाओं को बड़ी जिम्मेदारी दी है, चाहे वह बच्चे को जन्म देने की बात हो या बच्चे की शुरुआती जीवन को प्रभावित करने की बात हो। यह मत समझिए कि यह बात सिर्फ प्रजनन तक है, आज हम और आप यहां हैं तो इसी वजह से हैं। अगर आपका जन्म सामान्य तरीके से हुआ है तो इसका मतलब है कि हमारा जीवन एक महिला के शरीर में ही शुरु हुआ है। आज हम महिला या पुरु ष होने का जो बायोलॉजिकल (शारीरिक) पहलू है, उसे कुछ ज्यादा ही बढ़ा-चढ़ा रहे हैं। मेरा कहना है कि जब आप सड़क पर चल रहे हों तो आपको इस बात की चिंता क्यों होनी चाहिए कि सामने वाला व्यक्ति स्त्री है पुरु ष? यह चीज सिर्फ बाथरूम या बेडरूम में ही मायने रखती है, बाकी किसी जगह इस बात का कोई महत्व नहीं होता। सड़क पर, काम करने की जगह पर या फिर हम कहीं भी हों, वहां इस बात का फर्क क्यों पड़ना चाहिए कि कोई व्यक्ति स्त्री है या पुरुष। आप उन्हें सिर्फ इंसान के तौर पर क्यों नहीं देख सकते? मुझे लगता है कि हम लोगों ने बहुत ज्यादा इस विषय को फोकस दे दिया है, जिसने बेहद अस्वस्थ माहौल बना दिया है। इसका मतलब हुआ कि हम लगातार शारीरिक अंगों से बहुत ज्यादा आकर्षित हो रहे हैं। इसीलिए हम लोगों को उनके लिंग से पहचान रहे हैं। लोगों को आप उनकी बुद्धि से नहीं, उनकी काबिलियत से नहीं, उनकी क्षमता से नहीं, बल्कि उनके लिंग से पहचान रहे हैं। दुनिया को देखने का यह तरीका ठीक नहीं है। हमारे जीवन के कुछ पहलुओं के लिए लिंगगत पहचान महत्त्वपूर्ण होती है, लेकिन जीवन के बाकी हिस्से में ज्यादा अहम यह होता है कि आप कितने योग्य हैं। लिंग से पहचानना जीवन के कुछ खास रिश्तों के लिए जरूरी होती है। बाकी रिश्तों में लिंग से पहचानने की बात तो बीच में आनी ही नहीं चाहिए। तभी दोनों के बीच समानता होगी। औरतों के अधिकारों को लेकर बात करने की कोई जरूरत नहीं है। इसकी जगह हमें मानव अधिकारों की बात करनी चाहिए और महिलाएं भी इसका हिस्सा हैं।

सू-दोकू नवताल 2130

8	2			9				
3			7		5		1	
	7	9		3	4	5		2
2				5			7	4
4	5			1			8	6
7	1			8				3
5		1	9	7		6	3	
	3		1		8			5
				6			2	1

सू-दोकू 2129 का हल

9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2130

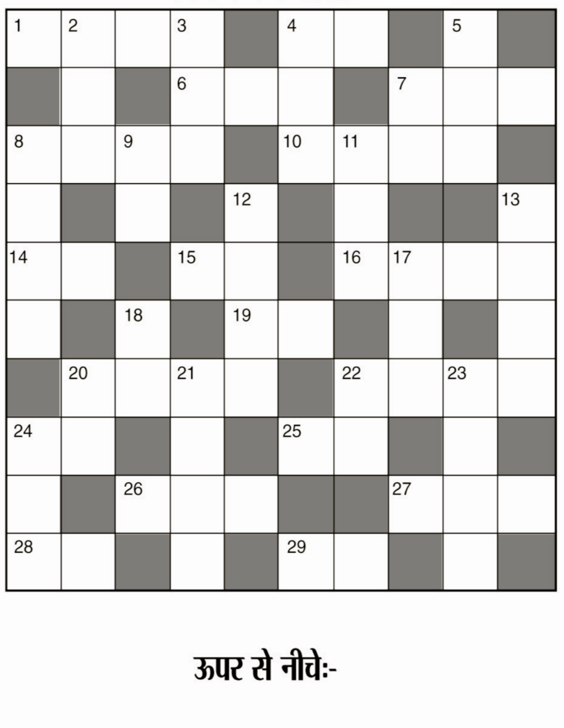

बायें से दायें:-

1. सैफ, चंद्रचूड़, प्रीति की 'इसे खेल ना समझो' गीत वाली फिल्म-1,3
4. 'एक लड़की जिसके' गीत वाली संजय दत्त, जैकी, रवीना की फिल्म-2
6. गोविंदा, रवीना टंडन की 'सासूजी थारो लल्ला' गीत वाली फिल्म-3
7. 'हम दिल दे चुके सनम' में सलमान की माँ की भूमिका किसने की थी-3
8. ऋषि कपूर, जूही चावला वाली फिल्म 'दरार' में सहनायक कौन था-4
10. 'रंग दे रंग दे' गीत वाली फिल्म 'तक्षक' के संगीत निर्देशक कौन हैं-4
14. राजकुमार, जीतेंद्र की फिल्म 'मेरे हुजूर' की नायिका कौन थी-2
15. 'दिल है तुम्हारा' में अर्जुन रामपाल के किरदार का क्या नाम है-2
16. राजेंद्रकुमार, बी. सरोजादेवी की 'जाना तुम्हारे प्यार में' गीत वाली फिल्म-4
19. 'इस टूटे दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-2
20. अक्षयकुमार, करिश्मा की 'माथे पे चमके इसके' गीत वाली फिल्म-4
22. 'सोला किये थे' गीत वाली मिथुन, शिल्पा शिरोडकर की फिल्म-4
24. आमिर खान, माधुरी की 'मुझे नींद न आये' गीत वाली फिल्म-2
25. नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, कुमार गौरव, जावेद, जूही की फिल्म-2
26. राजकपूर, दिलीपकुमार की 'उठाये जा उनके' गीत वाली फिल्म-3
27. 'ओ मेरे सनम ओ मेरे सनम' गीत वाली फिल्म-3
28. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'जिसके सपने हमें रोज' गीत वाली फिल्म-2
29. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली फिल्म-2

ऊपर से नीचे:-

2. आफताब, लिसा रे की 'कितना बेचैन हो के' गीत वाली फिल्म-3
3. 'तेरे बिना मैं कुछ' गीत वाली मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-3
4. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'यारी है ईमान मेरा' गीत वाली फिल्म-3
5. 'बोल गोरी बोल तेरा कौन पिया' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-3
7. फिल्म 'रजिया सुल्तान' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-2
8. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मीत ना मिला रे मन का' गीत वाली फिल्म-4
9. संजय दत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-2
11. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म-3
12. राजेश खन्ना, शबाना की 'चलो बुलावा आया है' गीत वाली फिल्म-4
13. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-4
17. अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की 'शाबा ये नखरा' गीत वाली फिल्म-3
18. 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-2
20. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-2
21. 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-4
22. आयशा, दिव्या भारती, कमल सदाना की 'तेरी मुहब्बत' गीत वाली फिल्म-2
23. 'ये काली काली आँखें' गीत वाली फिल्म-4
24. सनी, बॉबी, उर्मिला की फिल्म-3

फिल्म वर्ग पहेली-2129

गु	रू		खा	मो	शी		आ	स	रा
रू		फ	न		बा	द	शा	ह	
दे	वी		दा	ग		स्त		र	न
व	र	दा	न		म	क	ड़ी		ती
	ता			फॉ	सी			रा	जा
आ		स	जा		हा	र	जी	त	
शि	का	र		आ		क्ष		औ	
क		ग	ब	न		क	ह	र	
	धू	म		बा	जी			दि	ल
पा	प		जी	न	त		डॉ	न	

एक्सिस बैंक का क्रेडिट कार्ड बाजार में 20 फीसदी हिस्सेदारी प्राप्त करने का लक्ष्य

नई दिल्ली । एक्सिस बैंक को वृद्धि के लिए अपने मौजूदा संसाधनों का उपयोग करने और क्रेडिट कार्ड कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए मजबूत भागीदारी की रणनीति का लाभ मिलने लगा है। मार्च तिमाही में बैंक ने सबसे अधिक क्रेडिट कार्ड ग्राहक बनाए हैं। बैंक के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अे धिकारी ने कहा कि इस वृद्धि से उत्साहित बैंक मध्यम अवधि में क्रेडिट कार्ड बाजार के पांचवें हिस्से को हासिल करने का प्रयास करेगा। उन्होंने कहा` कि आगे जाकर सिटी बैंक के उपभोक्ता कारोबार का वह खुद में विलय करेगा और गुणवत्तापरक सेवाएं बरकरार रहेंगी। निजी क्षेत्र के चौथे सबसे बड़े बैंक ने 2021-22 की मार्च तिमाही में सर्वाधिक 11 लाख क्रेडिट कार्ड जारी किए। उन्होंने कहा` कि हमारा मानना है कि हम हर तिमाही में 10 लाख क्रेडिट कार्ड का लक्ष्य हासिल कर सकते हैं। अर्थव्यवस्था स्थिर रहती है तो इसमें और वृद्धि भी हो सकती है। उन्होंने कहा कि क्रेडिट कार्ड ग्राहकों का औसत खर्च बढ़ गया है और बैंक के भागीदारी वाले कारोबार के भी अच्छे परिणाम मिल रहे हैं।

मर्सिडीज बेंज में कार्यकारी निदेशक, परिचालन प्रमुख बने व्यंकटेश कुलकर्णी

मुंबई । लग्जरी कार कंपनी मर्सिडीज बेंज इंडिया ने कहा कि उसने व्यंकटेश कुलकर्णी को कार्यकारी निदेशक एवं परिचालन प्रमुख बनाया है। उनका कार्यकाल एक जून, 2022 से शुरू होगा। उत्पादन और खरीद कार्यों की जिम्मेदारी कुलकर्णी की होगी। बिजलीचालित वाहनों, डिजिटलीकरण और प्रौद्योगिकी आधारित स्मार्ट विनिर्माण की दिशा में कंपनी की यात्रा में वह सहायक होने वाले है। मर्सिडीज बेंज इंडिया के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी मार्टिन श्वेंक ने कहा, कुलकर्णी हमारी विश्वस्तरीय विनिर्माण सुविधाओं और संबंधित संसाधनों के स्थानीयकरण को मजबूत करने वाले है। व्यंकटेश मर्सिडीज बेंज रिसर्च एंड डेवलपमेंट इंडिया से 2008 में जुड़े थे। इससे पहले टाटा मोटर्स टेक्नोलॉजी और मारुति सुजुकी इंडिया जैसी अग्रणी वाहन कंपनियों के साथ काम कर चुके हैं।

इथोस के शेयर निर्गम मूल्य से छह फीसदी गिरावट पर सूचीबद्ध

नई दिल्ली । लग्जरी घड़ी विक्रेता कंपनी इथोस लिमिटेड के शेयर सोमवार को अपने निर्गम मूल्य 878 रुपए के मुकाबले छह फीसदी की गिरावट के साथ शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुए। बीएसई पर कंपनी का शेयर निर्गम मूल्य के मुकाबले 5.46 फीसदी की गिरावट लेकर 830 रुपए प्रति शेयर पर सूचीबद्ध हुआ, फिर यह और टूटकर 796.80 पर आ गया जो 9.24 फीसदी की गिरावट दर्शाता है। एनएसई पर यह छह फीसदी की गिरावट के साथ 825 रुपए पर सूचीबद्ध हुआ। इथोस के आईपीओ को 20 मई को 1.04 गुना अभिदान मिला था। कंपनी ने आईपीओ के तहत 375 करोड़ रुपए के नए शेयर जारी किए और 11,08,037 इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) की। इथोस ने अपने 472 करोड़ रुपए के निर्गम के लिए मूल्य दायरा 836-878 रुपए प्रति शेयर तय किया था।

भीषण गर्मी से आम और टमाटर का उत्पादन प्रभा वित, खराब हुई 80 फीसदी फसल

मुंबई ।

इस साल देश में भीषण गर्मी के कारण टमाटर और आम का उत्पादन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। देश के कई हिस्सों में आम की कीमतें 100 रुपए किलो से ज्यादा हो गई हैं, जबकि कुछ जगहों पर टमाटर की कीमतें भी 100-120 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गई हैं। आम के सबसे बड़ा उत्पादक उत्तर प्रदेश में कई सालों बाद सबसे कम पैदावार हुई है। यहां 80 प्रतिशत से अधिक फसल को लू के कारण खराब हो गई है। भारत के कुल आम उत्पादन में यूपी का 23.47 प्रतिशत हिस्सा है। एक ओर घरेलू कीमतें बढ़ी हैं, दूसरी ओर कम उत्पादन से भारत के निर्यात पर भी असर पड़ने की आशंका है। वेजिटेबल ग्रोअर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक गर्मी की वजह से टमाटर के फूल सूख गए हैं, जिसका असर उत्पादन पर पड़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि क्लाइमेट कंडीशन में बदलाव के कारण टमाटर की फसल पर कीड़ों का हमला भी बढ़ गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक जिस क्षेत्र में पहले 10 टन टमाटर की पैदावार होती थी, अब वहां सिर्फ तीन टन ही पैदावार हो रही है। आम के फूलों पर भी लू का असर कुछ इसी तरह पड़ा है। उन्होंने कहा` कि आम 27 डिग्री सेल्सियस पर सबसे अच्छा बढ़ता है और इस साल की शुरुआत में ही तापमान काफी बढ़ गया था। इस उत्पादन में गिरावट के कारण किसानों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ेगा।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही रिलायंस इंडस्ट्रीज और इन्फोसिस के शेयरों में बढ़त से भी बाजार ऊपर आया है। भारी लिवाली (खरीददारी) के कारण दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,041.08 अंक करीब 1.90 फीसदी बढ़कर 55,925.74 अंक पर बंद हुआ जबकि एक समय यह 1,197.99 अंक तक ऊपर आया था। वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 308.95 अंक तकरीबन 1.89 फीसदी के लाभ के साथ 16,661.40 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में टाइटन, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इन्फोसिस, लार्सन एंड टुब्रो, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेकनोलॉजीज, टीसीएस, रिलायंस इंडस्ट्रीज और ल्ट्राटेक सीमेंट मुख्य रूप से लाभ में रहे। वहीं इसके विपरीत , कोटक महिंद्रा बैंक, सन फार्मा, डॉ. रेड्डीज और आईटीसी के शेयरों को नुकसान हुआ है और ये नीचे आये हैं। दूसरी ओर एशियाई

बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कंपोजिट, जापान का निक्की और हांगकांग का हैंगसेंग लाभ में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में तेजी रही।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपये में तेजी आई है। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डॉलर के कमजोर पड़ने से विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में भारतीय रुपया चार पैसे की तेजी के साथ ही 77.54 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 77.53 पर खुला और दिन के कारोबार के दौरान 77.46 से लेकर 77.56 के बीच रहा। अंत में यह अपने पिछले बंद भाव के मुकाबले चार पैसे की तेजी के साथ ही 77.54 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं इससे पहले शनिवार को रुपया 77.58 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इसी बीच, छह प्रमुख मुद्राओं की तुलना में अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.22 फीसदी कम होकर 101.44 रह गया।

टाटा मोटर्स और फोर्ड इंडिया ने साणंद संयंत्र अधिग्रहण करने गुजरात सरकार से किया करार

नई दिल्ली ।

टाटा मोटर्स ने कहा कि उसकी अनुषंगी टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड (टीपीईएमएल) ने फोर्ड इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एफआईपीएल) की साणंद वाहन विनिर्माण इकाई के अधिग्रहण के लिए गुजरात सरकार के साथ करार किया है। टाटा मोटर्स ने शेयर बाजारों को बताया कि टीपीईएमएल और एफआईपीएल ने गुजरात सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं जो एफआईपीएल की साणंद वाहन विनिर्माण इकाई के संभावित अधिग्रहण से संबंधित है। इसमें भूमि, इमारतों, वाहन विनिर्माण इकाई, मशीनरी और उपकरणों का अधिग्रहण शामिल है। इसमें एफआईपीएल साणंद वाहन विनिर्माण परिचालनों के सभी पात्र कर्मचारियों का स्थानांतरण भी शामिल है। हालांकि यह करार और संबंधित मंजूरियों पर निर्भर करेगा।टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हिकल्स लिमिटेड और टीपीईएमएल के प्रबंध निदेशक शैलेश चंद्रा ने कहा कि एक दशक से भी अधिक समय से टाटा मोटर्स की गुजरात में मजबूत उपस्थिति है, साणंद में उसकी अपनी विनिर्माण इकाई है। इस समझौते से और रोजगार तथा कारोबारी अवसरों का सृजन होगा जो राज्य के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करेगा। कंपनी ने कहा कि इस समझौते के बाद अब टीपीईएमएल और एफआईपीएल के बीच अगले कुछ हफ्तों में निश्चित लेनदेन समझौते होंगे। गुजरात के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजीव कुमार गुप्ता ने कहा कि यह समझौता सभी हितधारकों के लिए लाभदायक है। इससे अंतरराष्ट्रीय निवेशकों का भरोसा जमेगा और देश में शीर्ष निवेश स्थल के रूप में गुजरात की स्थिति मजबूत होगी।

1 जून से सोने के आभूषण बिक्री के लिए हालमार्किंग होगी अनिवार्य

नई दिल्ली ।

दुनिया में पीली घातु यानि सोने के आकर्षण से कोई नहीं बच पाता है अब इसके आभूषणों और कलाकृतियों की बिक्री के लिए एक जून से एक नया नियम लागू होने जा रहा है। इस नियम के लागू होने के बाद ज्वैलर्स देश में बिना हालमार्किंग वाला सोने का कोई भी आभूषण या कलाकृति नहीं बेच पाएंगे। हालमार्किंग अनिवार्य होने से देश में नकली और मिलावटी सोने की बिक्री पर अंकुश लगेगा। अब हालमार्किंग में सभी ग्रेड वाले सोने को शामिल कर लिया गया है। पहले तीन श्रेणियों को इससे छूट दी गई थी। गौरतलब है कि बीआईएस हालमार्किंग का निशान किसी भी सोने की शुद्धता की पहचान है। गोल्ड हालमार्किंग 16 जून 2021 तक स्वैच्छिक थी, लेकिन सरकार ने इसके बाद से इसे अनिवार्य कर दिया है। हालमार्क वाला सोना प्रमाणित सोना होता है, जो गुणवत्ता जांच की प्रक्रिया से गुजरता है। बीआईएस सोने की शुद्धता और सुंदरता को प्रमाणित करने के लिए हालमार्किंग की इस प्रक्रिया को अंजाम देती है। सरकार अब हालमार्किंग का दूसरा चरण शुरू कर रही है। अनिवार्य हालमार्किंग के दूसरे चरण के दायरे में स्वर्ण आभूषणों के तीन अतिरिक्त कैरेट यानी 20 कैरेट, 23 कैरेट और 24 कैरेट को शामिल किया गया है। पहले चरण में इन्हें हालमार्किंग से बाहर रखा गया था। सरकार ने पिछले साल सोने की अनिवार्य हालमार्किंग को देशभर में लागू करने का फैसला किया था। इसे चरणबद्ध तरीके से लागू किया जा रहा है। पहले चरण में 23 जून 2021 को देश के 256 जिलों में इसे लागू किया गया।

भारतीय मानक ब्यूरो ने 4 अप्रैल 2022 को एक जारी एक नोटीफिकेशन में हालमार्किंग के दूसरा चरण लागू करने की घोषणा की थी। अब तक 6 शुद्धता श्रेणियों 14 कैरेट, 18 कैरेट, 20 कैरेट, 22 कैरेट, 23 कैरेट और 24 कैरेट के लिए सोने की हालमार्किंग अनिवार्य थी। इस प्रकार अन्य ग्रेड के सोने के आभूषणों को बेचने से पहले हालमार्क करना अनिवार्य नहीं था। लेकिन, एक जून से सभी ग्रेड के सोने के आभूषणों की हालमार्किंग अनिवार्य होगी और ज्वैलर्स बगैर हालमार्क वाला सोना नहीं बेच सकेंगे। पिछले साल जुलाई से सरकार ने सोने के आभूषणों पर शुद्धा के प्रतीकों में भी परिवर्तन किया था। अब हालमार्किंग में बीआईएस लोगो, शुद्धता ग्रेड और छह अंकों का अल्फान्यूमेरिकल कोड अंकित करना अनिवार्य कर दिया गया है। इसे एचयूआईडी कहा जाता है। एक जून से ग्राहक को हालमार्किंग फीस के रूप में सोने के आभूषण पर प्रति आभूषण 35 रुपये चुकाने होंगे।

जीडीपी विकास दर लगातार तीसरी तिमाही में कम रहने का अनुमान

- नकारात्मक साबित हो सकता है ब्याज दर बढ़ाना

नई दिल्ली ।

ओमीक्रॉन संबंधी प्रतिबंध भारत की आर्थिक रिकवरी में एक बार फिर बाधक बनकर सामने आए हैं। जानकारी के मुतो बिक जनवरी-मार्च तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था ने 4 फीसदी की दर से वृद्धि की है। जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 5।4 फीसदी थी। ये लगातार तीसरी तिमाही है जब भारत की वृद्धि दर कमजोर रही है। जानकारी के अनुसार ओमीक्रॉन के कारण कोविड-19 के केस बढ़ने से कई राज्यों ने विभिन्न तरह के प्रतिबंध लगा दिए थे। भले ही यात्रा प्रतिबंध बहुत कम समय रहे लेकिन वैश्विक आपूर्ति में कमी और ऊंचे लागत मूल्य के कारण वृद्धि को धक्का लगा। कई अर्थशास्त्रियों का मानना है कि वृद्धि में कमी इसलिए भी दिख सकती हैं क्योंकि एक साल पहले का बेस स्तर अधिक था। गौरतलब है कि सरकार हर तिमाही में आधिकारिक रूप से जीडीपी डेटा रिलीज नहीं करती है। पिछले वित्त वर्ष की शुरुआती तीन तिमाहियों में जीडीपी विकास दर क्रमश- 20.3 फीसदी, 8.5 फीसदी और 5.4 फीसदी रही। एक अन्य सर्वे में वित्त वर्ष 2021-22 में भारत की जीडीपी विकास दर 8.7 फीसदी रहने का

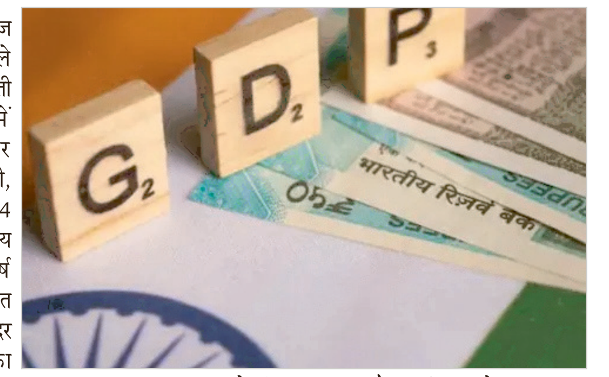

अनुमान लगाया गया था। यह भारत सरकार द्वारा 28 फरवरी को जारी दूसरे एडवांस एस्टिमेट 8.9 फीसदी से कम था। मुद्रास्फीति से ऊपर विकास पर जोर दे आरबीआई ने हाल ही अपनी चाल में परिवर्तन करते हुए रेपो रेट में वृद्धि कर दी। इसके अलावा आरबीआई रेट में अभी और बढ़ोतरी कर सकता है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि मुद्रास्फीति और ऊंची ब्याज दर उपभोक्ताओं द्वारा किया जा रहा खर्च घटा देगी जिससे देश की अर्थव्यवस्था को धक्का लगेगा क्योंकि भारत एक खपत संचालित अर्थव्यवस्था है।

ोशेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई (ईएमएस)। मुम्बई शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही रिलायंस इंडस्ट्रीज और इन्फोसिस के शेयरों में बढ़त से भी बाजार ऊपर आया है। भारी लिवाली (खरीददारी) के कारण दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,041.08 अंक करीब 1.90 फीसदी बढ़कर 55,925.74 अंक पर बंद हुआ जबकि एक समय यह 1,197.99 अंक तक ऊपर आया था। वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 308.95 अंक तकरीबन 1.89 फीसदी के लाभ के साथ 16,661.40 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के शेयरों में टाइटन, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इन्फोसिस, लार्सन एंड टुब्रो, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेकनोलॉजीज, टीसीएस, रिलायंस इंडस्ट्रीज और ल्ट्राटेक सीमेंट मुख्य रूप से लाभ में रहे। वहीं इसके विपरीत , कोटक महिंद्रा बैंक, सन फार्मा, डॉ. रेड्डीज और आईटीसी के शेयरों को नुकसान हुआ है और ये नीचे आये हैं।

दूसरी ओर एशियाई बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कंपोजिट, जापान का निक्की और हांगकांग का हैंगसेंग लाभ में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में तेजी रही। सी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 5.05 अंक

राकेश झुनझुनवाला ने स्टार हेल्थ इंश्योरेंस और मेट्रो ब्रैंडस् में गंवाए 540 करोड़

नई दिल्ली ।

दिग्गज निवेशक राकेश झुनझुनवाला के पोर्टफोलियो में शामिल दो शेयरों के कारण उन्होंने पिछले एक महीने में 540 करोड़ रुपए गंवा दिए हैं। झुनझुनवाला के निवेश वाले 2 शेयर स्टार हेल्थ इंश्योरेंस और मेट्रो ब्रैंडस् में पिछले एक महीने में करीब 7 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है। हालांकि, सोमवार को बाजार खुलने पर दोनों ही शेयरों में तेजी देखने को मिली है। शुक्रवार को बाजार बंद होने तक मेट्रो ब्रैंड्स लुढ़ककर 523 । और स्टार हेल्थ गिरकर 663 । पर पहुंच गया था। इन दोनों में शेयरों में इस तेज गिरावट के कारण बिग बुल को एक महीने में 540 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। स्टार हेल्थ बीते शुक्रवार तक 701 । से गिरकर 663 रुपए पर पहुंच गया जो की 38.55 रुपए की गिरावट है। वहीं मेट्रो ब्रैंड्स 562.65 से गिरकर 53 रुपए पर पहुंच गया जो करीब 39 रुपए की गिरावट है। जानकारी के अनुसार कंपनी में राकेश झुनझुनवाला

और उनकी पत्नी रेखा झुनझुनवाला की सम्मिलित रूप से 17.50 फीसदी हिस्सेदारी है। दोनों के पास कंपनी के कुल 10,07,53,935 शेयर हैं। वहीं मेट्रो ब्रैंड्स में राकेश झुनझुनवाला ने अपनी पत्नी के माध्यम से निवेश किया है। इस कंपनी के रेखा झुनझुनवाला के पास 39,153,600 शेयर हैं। उनके पास इस कंपनी में 14.60 फीसदी हिस्सेदारी है। स्टार हेल्थ में बिग बुल के पास 10,07,53,935 शेयर हैं। अगर 38 रुपए प्रति शेयर की गिरावट के हिसाब से देखा जाए तो उनकी संपत्ति में करीब 388 करोड़ रुपए की गिरावट दिखती है। वहीं, मेट्रो ब्रैंड्स में पत्नी के जरिए 39,153,600 शेयर हैं। यहां 39 रुपए प्रति शेयर की गिरावट के हिसाब से देखा जाए तो उन्हें एक महीने में 152 करोड़ रुपए की चपत लगी है। इस तरह से कुल मिलाकर उनकी संपत्ति 540 करोड़ रुपए घटी है।

भारत की दूसरी सर्वाधिक लाभ कमाने वाली कंपनी का तमगा ओएनजीसी के खाते में शेयरधारकों के लिए की लाभांश की घोषणा

नई दिल्ली ।

पब्लिक सेक्टर की अग्रणी कंपनी ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) ने बीते वित्त वर्ष (2021-22) में करीब 40,306 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड शुद्ध मुनाफा कमाया है। कच्चे तेल के उत्पादन पर ऊंची कीमत मिलने की वजह से ओएनजीसी रिकॉर्ड मुनाफा कमा पाई है। इस तरह अब रिलायंस इंडस्ट्रीज के बाद ओएनजीसी देश की दूसरी सबसे ज्यादा मुनाफा कमाने वाली कंपनी बन गई है। ओएनजीसी ने एक बयान में कहा कि बीते वित्त वर्ष में उसका शुद्ध लाभ 258 प्रतिशत के उछाल के साथ 40,305.74 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। इससे पिछले वित्त वर्ष (2020-21) में कंपनी ने 11,246.44 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। समीक्षाधीन वित्त वर्ष में कंपनी को प्रत्येक बैरल कच्चे तेल के उत्पादन और बिक्री पर 76.62 डॉलर मिले। वहीं, इससे पिछले वित्त वर्ष में कंपनी को प्रत्येक बैरल कच्चे तेल के उत्पादन पर 42.78 डॉलर मिले थे। 76.62 डॉलर ओएनजीसी को कच्चे तेल के उत्पादन पर मिलने वाली अब तक की सबसे अधिक कीमत है। रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद 2021 के आखिर में अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में जोरदार उछाल आया और यह करीब 14 साल के उच्चस्तर 139 डॉलर प्रत बैरल पर पहुंच गए। इसी वृद्धि का लाभ ओएनजीसी को भी मिला। बता दें कि 2008 में जब कच्चे तेल के दाम 147 डॉलर प्रति बैरल के रिकॉर्ड स्तर पर थे तब ओएनजीसी को पेट्रोलियम उत्पादों की खुदरा बिक्री करने वाली कंपनियों को सब्सिडी देनी पड़ी थी जिसकी वजह से उसकी आय कम हुई थी। हालांकि, अब ओएनजीसी को अंतर्राष्ट्रीय कीमतों के हिसाब से ही भुगतान हो रहा है। इससे पहले रिलायंस इंडस्ट्रीज ने बीते वित्त वर्ष में 67,845 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ कमाया था।

पारादीप बंदरगाह को विश्वस्तरीय बनाया जाएगा: मंत्रालय

परियोजना की अनुमानित लागत 3,004.63 करोड़ रुपए

नई दिल्ली ।

ओडिशा में पारादीप बंदरगाह को 3,004.63 करोड़ रुपए की लागत से एक विश्व-स्तरीय आधुनिक बंदरगाह बनाया जाएगा, जिसमें बड़े आकार के शुष्क मालवाहक कैप्साइज जहाजों को संभालने की क्षमता भी होगी। बंदरगाह, नौवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय ने कहा कि इस परियोजना के तहत पारादीप बंदरगाह का विकास सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) से निर्माण, संचालन और हस्तांतरण (बीओटी) मॉडल पर किया जाएगा। मंत्रालय के मुताबिक यह परियोजना पारादीप बंदरगाह को एक विश्व-स्तरीय आधुनिक बंदरगाह में बदल देगी जिसमें कैप्साइज जहाजों को संभालने की क्षमता भी होगी। मंत्रालय ने कहा कि इस परियोजना की अनुमानित लागत 3,004.63 करोड़ रुपए है। कैप्साइज़ जहाज मालवाहक श्रेणी का सबसे बड़ा समूह है जो लौह अयस्क एवं कोयला जैसे माल की भी ढुलाई कर सकता है। कैप्साइज जहाज अपने लंबे आकार की वजह से पनामा नहर से नहीं गुजर सकते हैं और उन्हें प्रशांत एवं अटलांटिक महासागरों के बीच जाने के लिए केप ऑफ गुड होप के चारों ओर चक्कर लगाना पड़ता है। बयान के मुताबिक पारादीप बंदरगाह के आधुनिकीकरण में बीओटी के आधार पर 2,040 करोड़ रुपए की लागत से नए पश्चिमी गोदी का विकास किया जाएगा। केंद्रीय बंदरगाह, नौवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि यह परियोजना पारादीप बंदरगाह के एक मेगा पोर्ट बनने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि यह पूर्वी राज्यों के विकास के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप है और बंदरगाह की क्षमता में 2.5 करोड़ टन प्रति वर्ष क्षमता जोड़ने के साथ-साथ बंदरगाह की दक्षता में सुधार करने में योगदान देगा।बयान इस परियोजना से बंदरगाह की भीड़ कम होगी, समुद्री मालभाड़ा कम होगा, कोयले का आयात सस्ता होगा और बंदरगाह के भीतरी इलाकों में औद्योगिक अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलने से रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे।

जेएसडब्ल्यू स्टील चालू वित्त वर्ष में 20,000 करोड़ का पूंजीगत व्यय करेगी

कोलकाता ।

इस्पात विनिर्माता कंपनी जेडब्ल्यूएस स्टील ने कहा है` कि उसने चालू वित्त वर्ष में पूंजीगत व्यय के लिए 20,000 करोड़ रुपए चिह्नित किए हैं। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने उम्मीद जताई है कि इस्पात पर निर्यात शुल्क और कोयले के ऊंचे दाम जैसी अड़चनें लंबे समय तक नहीं रहेंगी। जेडब्ल्यूएस स्टील के संयुक्त प्रबंध निदेशक एवं समूह मुख्य वित्तीय अधिकारी शेषगिरी राव ने कहा कि दिशा तय करने के प्रमुख कारक कोयले की अस्थिर कीमतें और इस्पात पर निर्यात शुल्क लगना है। हालांकि हम उम्मीद करते हैं कि ये अड़चनें दीर्घकालिक नहीं होंगी। निर्यात में कुछ नरमी आएगी लेकिन मूल्यवर्धित इस्पात निर्यात पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। अभी हम आशावादी हैं और चालू वित्त वर्ष के लिए पूंजीगत व्यय योजना 20,000 करोड़ रुपए बरकरार है। क्षमता विस्तार योजना के तहत कंपनी ने 2021-22 में 15,000 करोड़ रुपए का पूंजीगत व्यय शुरू किया था। पिछले वर्ष भूषण पॉवर एंड स्टील का अधिग्रहण पूरा करने के लिए उसने 19,000 करोड़ रुपए का निवेश किया था। उन्होंने कहा कि अधिक पूंजीगत व्यय की योजनाओं के बीच आंतरिक संसाधनों से पुनर्भुगतान किए जाने से कंपनी का कर्ज स्तर बहुत नहीं बढ़ेगा। अभी यह 56,700 करोड़ रुपए है। उन्होंने कहा कि इस्पात कंपनियां सिर्फ घरेलू उपयोग के लिए नहीं बल्कि निर्यात के लिए भी उत्पादन करती हैं। वित्त वर्ष 2021-22 में भारत का इस्पात निर्यात 1.837 करोड़ टन रहा था। इस्पात उत्पादक कंपनी जेएसडब्ल्यू स्टील वर्ष 2024-25 तक अपनी क्षमता बढ़ाकर 3.75 करोड़ टन और 2029-30 तक 4.5 करोड़ टन करना चाहती है। उसकी मौजूदा क्षमता 2.147 करोड़ टन है।

गांधीनगर में गुजरात टाइटंस की जीत का जश्न

चैंपियंस को देखने के लिए सड़क पर उमड़ी भीड़, खिलाड़ियों ने स्वीकार किया अभिवादन

पुणे (एजेंसी)।

अहमदाबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का मौजूदा सत्र गुजरात टाइटंस की जीत के साथ समाप्त हो गया। हार्दिक पांड्या की अगुवाई वाली टीम ने अहमदबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स को 7 विकेट से हराने के बाद आईपीएल की ट्रॉफी उठाई। इसके बाद गुजरात टाइटंस ने सोमवार को अलग ढंग से जीत का जश्न मनाया। दरअसल, पहली बार आईपीएल खेलने वाली गुजरात ने शानदार जीत दर्ज करने के बाद अपने गृह राज्य के गांधीनगर में एक विजय परेड में हिस्सा लिया। जिसका वीडियो सामने आया है।

नहीं चले स्टार खिलाड़ी

मौजूदा सत्र कई स्टार खिलाड़ियों के लिए बुरे सपने की तरह रहा तो फॉर्म गवा चुके कुछ खिलाड़ियों ने अच्छी लय हासिल की। इसके अतिरिक्त कई अनकैप्ड खिलाड़ियों ने खूब वाह-वाही भी बटोरी। इस सत्र में रोहित शर्मा, विराट कोहली, रवींद्र जडेजा, ऋषभ पंत जैसे खिलाड़ियों का प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा। सबसे ज्यादा चर्चा तो विराट कोहली की हुई, जो मौजूदा सत्र में 3 बार गोल्डन डक आउट हुए। जबकि रोहित शर्मा और ऋषभ पंत को एक भी अर्धशतकीय पारी नहीं खेल पाए। लेकिन हार्दिक पांड्या ने सभी का दिल जीता।

गुजरात के कप्तान हार्दिक पांड्या ने सभी खिलाड़ियों का भरपूर इस्तेमाल किया। गुजरात की सबसे खास बात तो यह रही कि उनके सभी खिलाड़ियों ने असाधारण प्रदर्शन किया। टीम कभी भी किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं रही। करामाती खान (राशिद खान) से लेकर राहुल तेवतिया जैसे खिलाड़ियों ने इस सत्र में मुकाबलों को अच्छा फिनिश किया है। जबकि डेविड मिलर ने किलर मिलर वाली पारियां खेली हैं और कप्तान के बारे में क्या ही कहना... उनके बारे में लिखने बैठों तो शब्द कम पड़ जाएं।

पांड्या का हरफनमौला प्रदर्शन

हार्दिक पांड्या ने 15 मुकाबलों में 44 के औसत से 487 रन बनाए। जिसमें 4 अर्धशतकीय पारियां शामिल हैं। इस दौरान हार्दिक पांड्या ने 131 के स्ट्राइक रेट से अपना जलवा बिखेरा। इसके अलावा हार्दिक पांड्या ने अच्छी लाइन-लेंथ वाली गेंदबाजी भी की। जिसकी बदौलत उन्होंने 8 विकेट चटकाए। जिनमें से 3 विकेट तो उन्होंने फाइनल मुकाबले में राजस्थान के खिलाफ भी झटक लिए थे।

सार्जियो पेरेज ने जीती एफ-1 मोनाको ग्रां प्री

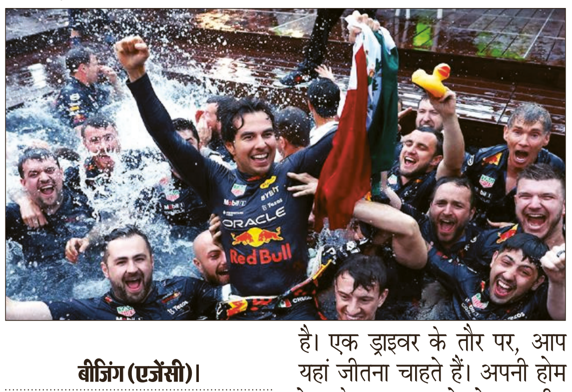

बीजिंग (एजेंसी)।

रेड बुल के सर्जियो पेरेज मोनाको ग्रां प्री का खिताब जीतते हुए 2022 एफ1 सीजन की अपनी पहली जीत दर्ज की। रेस शुरू होने से ठीक पहले बारिश होने के कारण मोनाको ग्रां की शुरुआत एक घंटे की देरी से हुई। जीत के बाद रेड बुल के पेरेज ने कहा कि यह सपना सच होने जैसा है। एक ड्राइवर के तौर पर, आप यहां जीतना चाहते हैं। अपनी होम रेस के बाद, इससे बेहतर जीत नहीं हो सकती थी इसलिए इसे जीतना बहुत खास है। उन्होंने कहा- अंत में हमने अपने लिये मुकाबले को थोड़ा मुश्किल बनाया। हमें बस कोई गलती नहीं करनी थी और सीधी तरह आगे बढ़ते रहना था। कार्लोस को पीछे रखना आसान नहीं था।

तेज गेंदबाजी के लिए उमरान मलिक 'ताजी हवा के झोंके' की तरहः वाटमोर

श्रीनगर (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर और विश्व कप विजेता कोच डेव वाटमोर ने उमरान मलिक को तेज गेंदबाजी की दुनिया में 'ताजी हवा का झोंका' करार देते हुए यहां उम्मीद जताई कि 22 साल के इस खिलाड़ी के प्रदर्शन में अभी और सुधार होगा। निजी स्कूल के शिविर में यहां पहुंचे वाटमोर ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के कई युवा इस तेज गेंदबाज के नक्शे-कदम पर चलना चाहते है। पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश जैसे देशों के कोच रह चुके वाटमोर ने कहा, 'तेज गेंदबाजी के लिए उमरान मलिक ताजी हवा के झोंके की तरह हैं। उन्होंने अब तक शानदार प्रदर्शन किया है। उन्हें उनकी (आईपीएल) फेंचाइजी द्वारा बरकरार रखा गया जो एक बड़ी बात है। मुझे यकीन है कि यहां के बहुत सारे युवा उनका अनुकरण करना चाहेंगे।' उन्होंने मलिक को भारतीय क्रिकेट टीम में चुने जाने के लिए बधाई देते हुए कहा, 'उम्मीद करते हैं कि वह अच्छा करेंगे। उन्हें भारतीय टीम में चुने जाने पर बधाई। हम सभी को उम्मीद है कि उनके प्रदर्शन में और सुधार आयेगा। वाटमोर 1979 में भारत दौरे पर आयी उस ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा थे जिसने घाटी में एक मैच खेला था। उन्होंने उम्मीद जताई कि उन्हें यहां आने का और मौका मिलेगा। वाटमोर ने कहा,''मैंने यहां 1979 में एक मैच खेला था जब ऑस्ट्रेलिया ने भारत का दौरा किया था। मुझे याद है कि उस दौरे पर पहला मैच श्रीनगर में था। वह श्रीनगर मेरा पहला अनुभव था, वह अद्भुत था। यह मेरी यहां की दूसरी यात्रा है और मुझे उम्मीद है कि यह आखिरी नहीं होगी।

अब भारतीय टीम के लिए विश्वकप जीतना है लक्ष्यः पांड्या

अहमदाबाद (एजेंसी)।

आईपीएल फाइनल में जीत से उत्साहित गुजरात टाइटंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने कहा है कि अब उनका लक्ष्य भारतीय टीम को विश्वकप में जीत दिलाना है। लंबे समय तक टीम से बाहर रहने के बाद आईपीएल से खेल में वापसी करते हुए हार्दिक ने अच्छी बल्लेबाजी ओर गेंदबाजी की। वहीं पिछले एक साल तक फिट नहीं होने के कारण वह गेंदबाजी नहीं कर पाये थे पर इस बार आईपीएल में जिस प्रकार उन्होंने गेंदबाजी की उससे सभी प्रभावित हुए हैं।

इससे उत्साहित हार्दिक ने कहा, ÷भारत के लिए विश्व कप जीतने के लिए मैं इसे वह सब कुछ देने जा रहा हूं जो मेरे पास है। टीम को पहले रखना हमेशा से ही मेरी प्राथमिकता रही है। मेरे लिए मेरे से जरूरी मेरी टीम होती है जो अपने लक्ष्य को प्राप्त करें।भारत के लिए खेलना हमेशा से एक सपने के सच होने जैसा रहा है, चाहे मैंने कितने भी मैच खेले हों। देश का प्रतिनिधित्व करना हमेशा मेरे लिए खुशी की बात रही है। मुझे जिस तरह का प्यार और समर्थन मिला है, वह केवल भारतीय टीम के कारण ही मिला है।

हार्दिक अब तक तीन अवसरों पर भारत के साथ विश्व खिताब के करीब पहुंचे पर तीनों ही बार टीम जीत नहीं पायी। साल 2016 में, बांग्लादेश के खिलाफ उनके अंतिम ओवर ने भारत को टी 20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचाया पर खिताबी मुकाबले में भारतीय टीम ब्रैथवेट की आक्रामक बल्लेबाजी के कारण वेस्टइंडीज से हार गयी। वहीं 2017 में पाकिस्तान के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में भी हार्दिक ने आक्रामक बल्लेबाजी की थी पर वह टीम को जीत नहीं दिला पाये। वहीं साल 2019 विश्व कप के सेमीफाइनल में, हार्दिक ने ऋषभ पंत के साथ मिलकर भारतीय टीम को संभालने का प्रयास किया था पर वह सफल नहीं हो पाये।

इंडियन ओपन सर्फिंग 2022: रमेश बुधियाल, सोफिया शर्मा बने चैम्पियन

मैंगलोर। कांटे के मुकाबले में कर्नाटक के रमेश बुधियाल ने प्रीमियर सर्फिंग प्रतियोगिता में तमिलनाडु के अजेश अली को हराकर पुरुषों की ओपन सर्फ श्रेणी में नया राष्ट्रीय चैम्पियन बनने का गौरव हासिल किया। शुगर बनारसे और सोफिया शर्मा ने क्रमश– महिला ओपन एवं ग्रोम्स गर्ल्स 16 और अंडर कैटेगरी में राष्ट्रीय चैंपियनशिप जीती जबकि तमिलनाडु के किशोर कुमार ग्रॉम्स बॉयज 16 और अंडर कैटेगरी में नेशनल चैम्पियन बने। सर्फिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में यह प्रतियोगिता कर्नाटक के मैंगलोर के शांत पनाम्बुर बीच पर करवाई गई। इसका टाइटल पार्टनर कर्नाटक टूरिज्म (पर्यटन) रहा। जीत के बाद अपने दोस्तों द्वारा उत्साह से भरे जश्न के बाद रमेश बुधियाल ने कहा- मैं बहुत खुश हूं। नेशनल चैम्पियन बनना अच्छा अहसास है। मैदान कठिन था और अजेश शानदार था लेकिन मैं आज यहां अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने के लिए था और मुझे खुशी है कि मैं ऐसा कर सका। महिलाओं की ओपन सर्फ प्रतियोगिता में 16 वर्षीय गोवा की शुगर बनारसे ने तमिलनाडु सर्फर और गत चैंपियन सृष्टि सेल्वम से राष्ट्रीय चैंपियनशिप का ताज हासिल किया। शुगर जिसने शुरू में ग्रोम्स गर्ल्स 16 और अंडर श्रेणी के लिए पंजीकरण कराया था लेकिन उन्हें महिलाओं की ओपन श्रेणी में प्रतिस्पर्धा करने का मौका मिला। उन्होंने 14.50 अंक बनाए जबकि उपविजेता सृष्टि सेल्वम ने 13.40 अंक अर्जित किए। कर्नाटक की सिनचना गौड़ा 10.20 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। अपनी जीत के बाद बोलते हुए शुगर ने कहा कि आज लहरें कठिन थीं और प्रतियोगिता कठिन थी, लेकिन मुझे खुशी है कि मैं अपने प्रशिक्षण को अपने खेल में दिखा पाई और राष्ट्रीय चैम्पियनशिप जीत पाई।

हार्दिक बन सकते है टीम इंडिया के अगले कप्तान: गावस्कर

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने आईपीएल के पहले ही सत्र में शानदार प्रदर्शन कर अपनी टीम को जीत दिलाने वाले गुजरात टाइटंस के कप्तान हार्दिक पंड्या की जमकर सराहना की है। गावस्कर ने कहा कि पंड्या भविष्य में भारतीय टीम के कप्तान बनेंगे क्योंकि उनमें नेतृत्व क्षमता है। जिस प्रकार उन्होंने एक नई टीम को जीत दिलायी है जिसके बारे में किसी ने भी सोचा नहीं था वह अहम है। हार्दिक ने एक खिलाड़ी और कप्तान दोनों ही भूमिकाओं में अपने को साबित किया है। गावस्कर का मानना है कि हार्दिक ने टीम का शानदार नेतृत्व कर सभी को गलत साबित किया है। साथ ही कहा कि पंड्या ने जिस तरह टीम की कमान संभाली और खिलाड़ियों को एक टीम के तौर पर जोड़ने का काम किया। इससे यह पता चलता है कि उनमें बेहतर कप्तान बनने की क्षमताएं हैं। ऐसे में वह राष्ट्रीय स्तर पर यही जिम्मेदारी निभा सकते हैं। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि हार्दिक ही अगले कप्तान होंगे पर चयन समिति को उनके नाम पर भी विचार करना चाहिये। हार्दिक ने चोट के बाद आईपीएल 2022 से ही क्रिकेट मैदान में वापसी की थी। ऐसे में इस बात पर सबकी नजर थी कि वो बल्लेबाजी के साथ-साथ गेंदबाजी कर पाएंगे या नहीं। हार्दिक ने तमाम आशंकाओं को दरकिनार करते हुए लीग में शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने 15 मैच में 30 ओवर से अधिक फेंके और 8 विकेट भी झटके। उन्होंने रॉयल्स के खिलाफ फाइनल में गेंद और बल्ले दोनों से योगदान दिया।

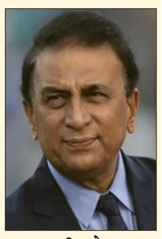

ढ्ढक्कु2022 हारने के बाद भी मालामाल हुई राजस्थान रॉयल्स, टॉप 4 टीमों को मिली मोटी रकम, खिलाड़ियों पर भी लुटाया गया पैसा

पेरिस (एजेंसी)।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पंद्रहवें संस्करण का समापन अहमदाबाद में फाइनल में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) को हराकर गुजरात टाइटन्स (जीटी) के चैंपियन बनने के साथ हुआ। गुजरात जो विस्तारित लीग में दो नई टीमों में से एक है, ने अपने पहले आउटिंग में टूर्नामेंट जीता है। कप्तान हार्दिक पंड्या के हरफनमौला प्रदर्शन से गुजरात टाइटंस ने फाइनल में राजस्थान रॉयल्स पर सात विकेट से एकतरफा जीत दर्ज करके अपने पहले ही सत्र में इंडियन प्रीमियर लीग खिताब अपने नाम कर लिया। उन्नीसवें ओवर की पहली ही गेंद पर ओबेद मैकॉय को छक्का जड़कर शुभमन गिल ने जब जीत की औपचारिकता पूरी की तो एक लाख से अधिक दर्शकों की तालियों और शोर से नरेंद्र मोदी स्टेडियम गूंज उठा। हार्दिक पांड्या के नेतृत्व वाली टीम ने धैर्य के साथ खेला और खिताबी मुकाबले जीतने में सफल रही।

आईपीएल में पुरस्कार टॉप 4 टीमों की इमान राशि

-विजेता टीम गुजरात टाइटंस को चैम्पियन होने के कारण रू.20 करोड़ का चेक मिला।

-उपविजेता के रूप में समाप्त हुई राजस्थान रॉयल्स को उपविजेता के रूप में रू.12.50 करोड़ का चेक भी प्रदान किया गया।

- रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) जो आरआर से दूसरे क्वालीफायर में हार गई और तीसरे स्थान पर रही, उसे रू.7 करोड़ का चेक मिला।

-लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) जो आरसीबी के खिलाफ एलिमिनेटर मैच में बाहर हो गया, उसे चौथे स्थान पर रहने के लिए रू.6.5 करोड़ मिले।

आईपीएल के चैम चैंजर खिलाड़ियों पर भी बरसा पैसा

- इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द ईयर- उमरान मलिक (10 लाख रुपये)
- सीजन में सबसे ज्यादा छक्के- जोस बटलर (10 लाख रुपये)
- सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन- दिनेश कार्तिक (टाटा पंच कार)
- गेम चेंजर ऑफ द सीजन- जोस बटलर (10 लाख रुपये)
- पेटीएम फेयरप्ले अवॉर्ड- राजस्थान रॉयल्स-गुजरात टाइटन्स
- पावरप्लेयर ऑफ द सीजन- जोस बटलर (10 लाख रुपये)
- सीजन की सबसे तेज़ बॉल- लॉकी फर्ग्युसन (10 लाख रुपये)
- सीजन में सबसे ज्यादा चौके- जोस बटलर (10 लाख रुपये)
- सीजन में सबसे ज्यादा विकेट (पर्पल कैप)- युजवेंद्र चहल 27 विकेट (10 लाख रुपये)
- सीजन में सबसे ज्यादा रन (ऑरेन्ज कैप)- जोस बटलर 863 रन (10 लाख रुपये)
- कैच ऑफ द सीजन- इवन लुईस (लखनऊ सुपर जायंट्स)- (10 लाख रुपये)
- मोस्ट वैल्यूबल प्लेयर- जोस बटलर (10 लाख रुपये)

गुजरात टाइटंस का पहला सीजन और पहली जीत.

एक नयी नवेली टीम को दुनिया की इस सबसे लुभावनी क्रिकेट लीग का सिरमौर बनाने का श्रेय किसी को जाता है तो उसके 'कैप्टन कूल' हार्दिक पंड्या को। पहले गेंदबाजी में चार ओवर में 17 रन देकर तीन विकेट लेते हुए उन्होंने रॉयल्स को नौ विकेट पर 130 के स्कोर पर रोक दिया। जवाब में दो विकेट जल्दी गिरने पर 30 गेंद में 34 रन बनाकर टीम को दबाव से निकाला। टाइटंस ने 11 गेंद और सात विकेट बाकी रहते मैच जीत लिया। गिल 43 गेंद में तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 45 रन बनाकर नाबाद रहे जबकि डेविड मिलर ने सिर्फ 19 गेंद में 32 रन बनाये जिसमें तीन चौके और एक छक्का शामिल था। गुजरात ने रिधिमान साहा (पांच) और मैथ्यू वेड (आठ) के विकेट जल्दी गंवा दिये थे। इससे पहले राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया हालांकि उनका कोई भी बल्लेबाज टिककर खेल नहीं सका। वहीं अपने घरेलू मैदान पर एक लाख से अधिक दर्शकों के सामने गुजरात के गेंदबाजों ने उन पर दबाव बना दिया। जोस बटलर (35 गेंद में 39) और यशस्वी जायसवाल (16 गेंद में 22 रन) के बल्ले से ही कुछ रन निकल सके।

हार्दिक पांड्या की दमदार कप्तानी की और खिलाड़ियों का साथ

हार्दिक ने चार ओवर में सिर्फ 17 रन देकर तीन विकेट लिये जबकि अफगानिस्तान के लेग स्पिनर राशिद खान ने बेहद किफायती गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में सिर्फ 18 रन देकर एक विकेट लिया। मोहम्मद शमी की रफ्तार और स्विंग के आगे सहज होकर नहीं खेल पा रहे जायसवाल ने जोखिम लेने में कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने शमी को कवर में छक्का जड़ा और यश दयाल को लांग लेग पर छक्का लगाया।

पांच सेट में जीते राफेल नडाल, अब सामना जोकोविच से होगा

पेरिस। रोलां गैरो पर 'रा फा रा फा' के शोर के बीच अपने करियर का 112वां मैच खेल रहे राफेल नडाल ने पांच सेटों में जीत दर्ज करके साबित कर दिया कि उन्हें लाल बजरी का बादशाह क्यो कहा जाता है। नडाल ने साढे चार घंटे तक चले चौथे दौर के मुकाबले में फेलिक्स ओगर एलियास्सिमे को 3.6, 6.3, 6.2, 3.6, 6.3 से हराया। जीत के बाद उन्होंने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो जब भी यहां खेलता हूं तो पता नहीं चलता कि क्या यह रोलां गैरो पर मेरा आखिरी मैच होगा। अब हालात ऐसे ही हो गए हैं इसलिए मैं हर मैच का मजा लेना चाहता हूं।'

अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना नोवाक जोकोविच से होगा। जोकोविच का नडाल के खिलाफ कैरियर रिकॉर्ड 30.28 का है लेकिन फ्रेंच ओपन में नडाल ने उनके खिलाफ सात मैच जीते और दो हारे हैं। जोकोविच ने 15वीं वरीयता प्राप्त डिएगो श्वार्ट्जमैन को 6.1, 6.3, 6.3 से हराया। अन्य क्वार्टर फाइनल में अलेक्जेंडर ज्वेरेव का सामना दुनिया के छठे नंबर के खिलाड़ी स्पेन के कार्लोस अलकाराज से होगा। ज्वेरेव ने क्वालीफायर बर्नाबे जपाटा मिरालेस को 7.6, 7.5, 6.3 से हराया। वहीं अलकाराज ने कारेन खाचानोव को 6.1, 6.4, 6.4 से मात दी। महिला वर्ग में 18 वर्ष की कोको गॉ का सामना अमरीका की ही स्लोएने स्टीफेंस से होगा जबकि 2021 अमेरिकी ओपन उपविजेता कनाडा के लैला फर्नांडिज की टक्कर इटली की 59वीं रैंकिंग वाली मार्तिना ट्रेविसान से होगी।

जयशंकर ने ऑस्ट्रेलेशिया खिताब जीता

सिडनी । भारत के एस जयशंकर ने ऑस्ट्रेलिया के माइकल पेंग्यू को हराकर डब्लयूबीसी ऑस्ट्रेलेशिया मुक्केबाजी खिताब जीता है। भारतीय मुक्केबाज जयशंकर ने वेल्टरवेट वर्ग में यह खिताब जीता। माइकल लगातार दो मुकाबले जीतकर यहां तक पहुंचे थे। उन्होंने पिछले साल दिसंबर 2021 में ही अपने ही देश के जॉर्ज कापीन को हराकर यह खिताब जीता था। वहीं जयशंकर ने दिसंबर 2021 में डब्ल्यूबीसी इंडिया खिताब जीता था। उन्होंने हैदराबाद में आकाशदीप को एक बंटे हुए फैसले में हराया था। जयशंकर ने शुरू ही से काफी आक्रामक खेल दिखाते हुए प्रहार शुरु कर दिये जिसका विरोधी मुक्केबाज के पास कोई जवाब नहीं था।

हार से निराशा हुई : बटलर

अपनी टीम पर गर्व है : सैमसन

अहमदाबाद । आईपीएल के खिताबी मुकाबले में हार से निराश राजस्थान रॉयल्स के आक्रामक बल्लेबाज जोस बटलर ने कहा है कि फाइनल को छोड़कर उनका प्रदर्शन उम्मीद से अच्छा रहा है और उससे वह संतुष्ट हैं। बटलर को टूर्नामेंट में सबसे अधिक रन बनाने के लिए 'प्लेयर आफ द टूर्नामेंट' का अवार्ड भी मिला। मैच के बाद बटलर ने कहा, 'हम खिताब जीतना चाहते थे , ऐसे में हार से निराशा होना स्वाभाविक है पर बेहतर प्रदर्शन के लिए गुजरात टाइटंस के कप्तान हार्दिक और उसकी टीम को बधाई। वे जीत के अधिकारी थे। मेरा काम टीम के लिए अपनी भूमिका निभाना था।' वहीं हार के बाद भी रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने अपनी टीम का बचाव करते हुए कहा कि उन्हें अपनी टीम पर गर्व है। उन्होंने कहा, 'यह हमारे लिए एक विशेष सत्र था। हम अच्छा क्रिकेट खेले और अपने प्रशंसकों को लुभावनी यादें दी। मुझे अपनी टीम पर गर्व है।'

एशिया कप : कोरिया को हराकर फाइनल में जगह बनाने उतरेगा भारत

जकार्ता (एजेंसी)।

गत चैम्पियन भारतीय टीम सुपर 4 चरण के आखिरी राउंड रॉबिन लीग मैच में दक्षिण कोरिया को हराकर एशिया कप पुरूष हॉकी टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाने के इरादे से उतरेगी। भारत ने रविवार को मलेशिया के खिलाफ मुकाबले में जीत की ओर कदम रख ही दिया था लेकिन रजी रहीम ने हैट्रिक लगाकर भारत को 3.3 से ड्रॉ पर रोक दिया। भारत ने पहले मैच में शनिवार को जापान को 2.1 से हराया था। सुपर 4 अंकतालिका में कोरिया प्लस दो के गोल अंतर के साथ शीर्ष पर है जबकि भारत प्लस एक के गोल अंतर के साथ दूसरे स्थान पर है। दो मैच हारने के बाद जापान दौड़ से बाहर है जबकि मलेशिया अगर जापान को न्यूनतम दो गोल से हरा देता है तो उसके पास मौका है बशर्ते भारत और दक्षिण कोरिया का मैच ड्रॉ रहे। भारतीय टीम के इरादे कोरिया को हराकर अगर मगर के फेर से बचने के होंगे। वैसे यह चुनौती उतनी आसान भी नहीं है। सुपर 4 चरण में कोरिया ने मलेशिया को 2.2 से ड्रॉ पर रोका और जापान को 3.1 से हराया है। भारत ने भी पहले दो पूल मैचों के बाद अपने खेल में काफी सुधार किया है। मेजबान इंडोनेशिया को 15 गोल के अंतर से हराने के असंभव लक्ष्य को हासिल करके सुपर 4 में जगह बनाई। इसके बाद जापान को 2.1 से हराया जिसके हाथों प्रारंभिक चरण में 2.5 से पराजय मिली थी। मलेशिया के खिलाफ रविवार को भारत ने दो गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करके 3.2 से बढ़त बनाई लेकिन रहीम ने आखिरी पलों में पेनल्टी कॉर्नर पर मलेशिया के लिए बराबरी का गोल कर दिया। भारतीय फॉरवर्ड पंक्ति में उत्तम सिंह, एस वी सुनील और पवन राजभर ने प्रभावी प्रदर्शन किया। सुनील ने पिछले मैच में राजभर के पास पर गोल दागा था। भारतीयों ने कई मौके बनाये लेकिन स्ट्राइकर उन्हें गोल में बदल नहीं सके। मुख्य कोच सरदार सिंह इसमें सुधार करना चाहेंगे। बीरेंद्र लाकड़ा की अगुवाई में रक्षापंक्ति से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है जिसने मलेशिया के खिलाफ कई पेनल्टी कॉर्नर गंवाए। सुपर 4 चरण के दूसरे मैच में जापान का सामना मलेशिया से होगा।

जिसमें मन को खुशी मिले वही काम करें

हर इंसान की पसंद, जरूरतें और प्राथमिकताएं दूसरे से अलग होती हैं। इसलिए दूसरों की बिन मांगी सलाह पर अमल करने के बजाय हमें वही करना चाहिए, जो खुद को सही लगे। मैंने दिल्ली विश्वविद्यालय से जूलॉजी में एमएससी किया था। मैं बचपन से ही पढ़ाई में काफी अच्छी थी और मुझे टीचिंग का प्रोफेशन बहुत पसंद था। मैं करियर को लेकर ज्यादा महत्वाकांक्षी नहीं हूं और न ही मेरे मन में ज्यादा पैसे कमाने की लालसा है। मेरे पैरेंट्स चाहते थे कि मैं आगे रिसर्च करूं और साइंटिस्ट बनूं। इसलिए उनका मन रखने के लिए मैंने रिसर्च के लिए बीएचयू में अप्लाई कर दिया था और वहां से बुलावा भी आ गया था। इसी बीच बरेली के एक कॉलेज में भी मुझे जॉब मिल गई जिसे छोड़कर मैं बनारस नहीं जाना चाहती थी।
तब परिवार के अलावा दोस्तों और पास-पड़ोस के लोगों ने मुझे बहुत समझाया कि ऐसे मौके बार-बार नहीं मिलते और इन्हें खोना मूर्खता होगी। तुम्हें आगे रिसर्च करना चाहिए। इससे भविष्य और उज्जवल होगा। इसके लिए मुझे लोगों से कई तरह की बातें सुनने को मिलीं, पर मैं अपने फैसले पर अडिग रही। मेरा मानना है कि हमें वही कार्य करना चाहिए, जिससे हमारे मन को सच्ची खुशी मिले। अब मैं अपने कार्य से पूरी तरह संतुष्ट हूं और मुझे अपने उस निर्णय पर जरा भी अफसोस नहीं है। मैं इस बात का पूरा यकीन करती हूं कि हर इंसान को अपने जीवन से जुड़े सभी महत्वपूर्ण निर्णय खुद ही लेने चाहिए।

ध्यान नहीं दिया व्यर्थ की बातों पर

मैंने शास्त्रीय संगीत में विशारद की उपाधि हासिल की है, पर शादी के बाद घर-गृहस्थी की जिम्मेदारियों में व्यस्त हो गई। मैं जॉब करना चाहती थी, लोगों के सामने स्टेज पर गाना चाहती थी, जब भी मैं अपनी यह इच्छा जाहिर करती तो मेरे मायके-ससुराल वाले साथ मिलकर मुझे समझाने लगते कि ये सब बेकार की बातें हैं, बाहर की दुनिया स्त्रियों के लिए सुरक्षित नहीं है। अगर गाने का इतना ही शौक है तो घर पर ही रियाज कर लिया करो, लेकिन मैं अपनी पहचान बनाना चाहती थी। इसलिए मैंने लोगों की बातों पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया। अपनी सारी पारिवारिक जिम्मेदारियां निभाते हुए शहर की कुछ सामाजिक संस्थाओं से जुड़कर मैंने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में गाना शुरू कर दिया। आज जब लोग मेरे गायन की प्रशंसा करते हैं तो इससे मुझे सच्ची आत्म-संतुष्टि मिलती है। इतना ही नहीं, अब परिवार के लोग भी मेरी इस कामयाबी पर गर्व करते हैं।

इन सात मंत्रों से रहा जा सकता है खुश

- अपनी सोच हमेशा सकारात्मक रखें। साथ ही प्रतिदिन अपने व्यक्तित्व में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास करें। याद रखें, जिंदगी में कुछ भी असंभव नहीं है, बस पूरी शक्ति के साथ प्रयास करने की जरूरत है। नकारात्मक सोच रखने से न केवल हमारा आत्मविश्वास कमजोर होता है, बल्कि हमारा स्वास्थ्य भी प्रभावित होता है।
- पुरानी यादों और बातों को भूलकर वर्तमान पर अपना ध्यान केंद्रित करें। याद रखें यदि आप सिर्फ पुरानी यादों और बातों के बारे में सोचती रहेंगी तो वर्तमान का सुख उठाने से वंचित रह जाएंगी।
- जिस जगह या स्थान में जाने पर आपके मन को सुकून मिलता हो, ऐसी जगह पर बार-बार जाएं, लेकिन जहां जाने पर आपका मन दुखी हो जाता हो, वहां बिल्कुल न जाएं।
- जब भी मौका मिले मनपसंद संगीत सुनें। कई शोध-अध्ययनों से यह बात साबित हो चुकी है कि पसंदीदा संगीत तनाव के स्तर को काफी कम कर देता है।
- न किसी ने सही कहा कि किसी को नाराज करने में एक मिनट का भी समय नहीं लगता, लेकिन किसी को हंसाने में घंटों बीत जाते हैं। इसलिए स्वयं भी हंसें और दूसरों को भी हंसने का अवसर प्रदान करें।
- आप जो खाती हैं वही आपके चेहरे और शरीर से झलकता है। खानपान या रहन-सहन में थोड़ी-सी लापरवाही का असर सीधा आपके स्वास्थ्य पर पड़ता है। इसलिए अपने खानपान पर पर्याप्त ध्यान दें। मौसमी सब्जियों और फलों का नियमित सेवन करें। साथ ही यह भी ध्यान रखें कि आपका खानपान कलरफुल हो अर्थात आपके भोजन में हर रंग का समावेश होना चाहिए।
- विशेषज्ञों का कहना है कि संतुलित डाइट से आप हमेशा फिर रह सकती हैं। न चेहरे पर रौनक तभी आती है, जब आपके शरीर को पूर्ण विश्राम मिले। इसके लिए जरूरी है कि पर्याप्त नींद लें। पर्याप्त नींद लेने से न केवल चेहरे पर चमक आती है, बल्कि स्वास्थ्य भी सही रहता है।

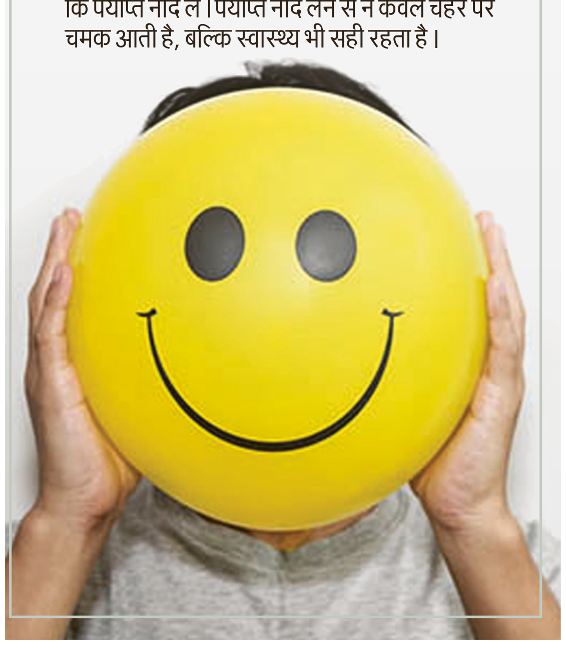

स्ट्रीट शॉपिंग में अच्छी बार्गेनिंग के लिए फॉलो करें ये स्मार्ट ट्रिक्स

स्ट्रीट शॉपिंग में सही बार्गेनिंग करने के लिए आप कुछ आसान ट्रिक्स को फॉलो कर सकती हैं और अच्छे सामान सही दामों में खरीद भी सकती हैं।

दिल्ली की सरोजिनी नगर मार्केट हो या फिर मुंबई की लिंकिंग रोड मार्केट, भला किसे सस्ते दामों में अच्छे सामान की शॉपिंग करना अच्छा नहीं लगता है। यूं कहा जाए कि स्ट्रीट शॉपिंग कई लोगों की जरूरत नहीं बल्कि शौक होता है। दरअसल स्ट्रीट मार्केट ऐसे मार्केट होती है जिसमें कई तरह की अच्छी और ब्रांडेड चीजें भी सही दामों में मिल जाती हैं। जब भी स्ट्रीट शॉपिंग की बात आती है तब आप में से कई लोग दुकानदार के बताए दामों पर ही चीजें खरीद लेते होंगे और कई लोग दाम कम कराने के लिए अच्छी बार्गेनिंग भी करते होंगे। इस तरह की मार्केट में कई बार दुकानदार किसी भी सामान के दाम मनचाहे ढंग से बताते हैं और अगर आपने ठीक तरह से बार्गेनिंग नहीं की तो वो आपको सस्ते दामों वाले सामान भी ज्यादा दामों पर बेच सकते हैं। इसलिए स्ट्रीट शॉपिंग में आपको अच्छी बार्गेनिंग की जरूरत होती है जिससे आप सही सामन उचित दामों में खरीद सकें। अगर आपको बार्गेनिंग नहीं आती है तो आप कुछ स्मार्ट ट्रिक्स से स्ट्रीट शॉपिंग में बार्गेनिंग कर सकते हैं।

कई दुकानों और स्टालों की जांच करें

आप चाहे दिल्ली की सरोजिनी नगर में स्ट्रीट शॉपिंग कर रही हों या गोवा की फ्ली मार्केट में सामान खरीद रही हों, सबसे पहले आपको किसी एक सामान के लिए कई अलग -अलग स्टालों की जांच करनी चाहिए। ऐसा करके आप देखेंगे कि अधिकांश दुकानों और स्टालों में एक ही तरह के कपड़े और सामान हो सकते हैं। कई बार किसी कपड़े का पैटर्न, प्रिंट, कलर सब लगभग एक जैसा ही होता है लेकिन उनके दाम अलग होते हैं ऐसे में अगर आपको कोई ऐसी चीज मिलती है जो आपको पसंद है, तो कई दुकानों से उसके दाम पता करें। इससे आपको यह पता लगाने में मदद मिलेगी कि क्या कोई दुकानदार कीमत को ज्यादा बढ़ाने की कोशिश कर रहा था। सामान्य तौर पर मार्केट की छोटी दुकानों की तुलना में सड़क के किनारे के स्टालों की दरें हमेशा सस्ती होंगी आप सही कीमत के हिसाब से बार्गेनिंग करके शॉपिंग करें।

थोड़ा झूठ भी है जरूरी

स्ट्रीट शॉपिंग के समय आपके लिए थोड़ा झूठ बोलना भी अच्छा होता है। यदि आप चाहते हैं कि दुकानदार आपको गंभीरता से ले, तो आपको यह दिखाना होगा कि आप अलग-अलग जगह और कीमतों से परिचित हैं। आप स्ट्रीट शॉपिंग दुकानदार से यह कह सकते हैं कि आप उस खास जगह और बाजारों में अच्छी तरह से खरीदारी करते हैं और आप हर एक सामान के सही दामों से परिचित हैं। ये स्मार्ट बार्गेनिंग ट्रिक आपको सस्ते दामों में अच्छी चीजें दिला सकती है।

अपने एक्सप्रेशन को न्यूट्रल रखें

कई बार आपको स्ट्रीट शॉपिंग में कोई ऐसा सामान मिल जाता है जो आपकी पसंद का होता है और आप उसे बहुत दिनों से ढूढ़ रहे होते हैं। ऐसे में उस सामान को देखकर ज्यादा एक्साइटेड होने की बजाय अपने एक्सप्रेशन को न्यूट्रल रखें। कभी भी दुकानदार के सामने ये न जटाएं कि आपको किसी सामान की बहुत ज्यादा जरूरत है। अगर दुकानदार आपकी जरूरत को समझ जाता है तो वो बढ़ चढ़ कर दाम बताता है। इसलिए आपका न्यूट्रल रिएक्शन बार्गेनिंग में मदद कर सकता है।

दुकानदार की कीमत का आधा दाम बताएं

कुछ मामलों में यह बेतुका लग सकता है, लेकिन हमेशा जब भी आओ स्ट्रीट शॉपिंग कर रहे हों तब आप दुकानदार द्वारा बताए दाम का लगभग 50-60% कम करने से आप उस कीमत के करीब पहुंच जाते हैं, जो वास्तव में उस सामान की कीमत है। दरअसल स्ट्रीट शॉपिंग में दुकानदार अपनी इच्छा से दाम बढ़ा देते हैं जो बार्गेनिंग से कम किये जा सकते हैं।

चीजों में ढूढें डिफेक्ट

जब आप स्ट्रीट शॉपिंग के लिए जाएं तो किसी भी सामान में कोई ऐसा डिफेक्ट ढूंढने की कोशिश करें जो वास्तव में डिफेक्ट न होकर उस कपड़े का डिजाइन या कलर ही हो। लेकिन आप डिफेक्ट के नाम पर अच्छी बार्गेनिंग करके स्ट्रीट शॉपिंग (भारत के इन राज्यों में उठाएं स्ट्रीट मार्केट का मजा) में चीजों के दाम कम करा सकती हैं। स्ट्रीट मार्केट में मिलने वाले बहुत से कपड़े वास्तव में ऐसे होते हैं जो होल सेल से आते हैं और इसमें कोई बहुत छोटा सा डिफेक्ट भी हो सकता है जैसे बटन का ढीला होना या किसी जगह की सिलाई खुलना। सामान सेलेक्ट करने से पहले यह सुनिश्चित कर लें कि आप उसके हर इंच को स्कैन कर लें। यदि डिफेक्ट ज्यादा बड़ा नहीं है तो आप इसके दाम कम करा सकते हैं। वास्तव में यह एक स्मार्ट बार्गेनिंग ट्रिक है।

मेहंदी का रंग चढ़ेगा गहरा जानिए आसान तरीके

महिलाएं 16 श्रंगार करती है, सजती - संवरती है। उन्हीं में से मेहंदी भी श्रंगार का ही हिस्सा है। इसके बिना तीज त्योहार या किसी भी प्रकार का पर्व पूरा नहीं होता है। लेकिन बदलते दौर में मेहंदी के रंग भी फीके पड़ने लगे हैं। कुछ नुस्खें है जिन्हें फॉलो कर आप अपनी मेहंदी का रंग गहरा कर सकती हो। तो आइए जानते हैं 5 आसान से टिप्स -

- मेहंदी को घोलते समय उसमे में सादा पानी नहीं मिलाते हुए चाय की पत्ती का पानी डालें। इसे बनाने के लिए तपेली में एक कप पानी रखें,उसमे पत्ती डाल दें। पानी को थोड़ी देर उबाल लें और ठंडा होने के बाद उससे मेहंदी घोल लें।
- मेहंदी घोलने से पहले मेहंदी में ही तेल डाल दें। इससे मेहंदी का कलर एक जैसा आता है। वहीं मेहंदी हल्की सी सुख जाने के बाद एक कटोरी में पानी लेकर उसमें शक्कर डाल दें। इसके बाद रूई की मदद से मेहंदी पर लगाएं। कलर अच्छा आएगा।
- मेहंदी सूखने के बाद आप रूई की मदद से अचार का तेल भी लगा सकते हैं। इससे मेहंदी का कलर खूब जमेगा।
- मेहंदी सूखने के बाद आप इसे हटा देते हैं, और लेकिन पानी से हाथ नहीं धोएं। इसके पहले थोड़ी देर के लिए घरेलू बाम का इस्तेमाल करें। अपने हाथों पर हल्के हाथों से लगा लें। ध्यान रहे उंगलियों के पोरस पर नहीं लगाएं। ताकि गलती से आंख में नहीं लग जाएं।
- मेहंदी सूखने के बाद रूई की मदद से हल्के हाथों से मेहंदी का तेल लगा लें। इसके बाद करीब 3 घंटे तक हाथों पर पानी नहीं लगाएं। फिर देखिए कितना गहरा रंग आता है।

कैसा होना चाहिए बच्चे का पूरे हफ्ते का डाइट चार्ट

सही डेवलपमेंट और ग्रोथ के लिए बच्चे को अच्छी डाइट की जरूरत होती है। अगर आप बच्चे को उसकी उम्र के हिसाब से खाना खिलाएं, तो इससे उसके विकास में काफी मदद मिलती है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बता रहे हैं कि ढाई साल के बच्चे का हफ्तेभर का डाइट चार्ट कैसा होना चाहिए।

सोमवार का भोजन चार्ट

ढाई साल के बच्चे को सुबह 7 से 8 बजे एक कप दूध में ड्राई फ्रूट्स के साथ एक चम्मच गुड़ और शहद डालकर दें। इसके बाद नाश्ते में 8.30 से 9.30 बजे के बीच बच्चे को नारियल की चटनी के साथ एक डोसा खिलाएं। इसके कुछ देर बाद 11 से 11.30 बजे बच्चे को चुकंदर और गाजर का एक कप सूप पिलाएं। 1 से 2 बजे के बीच बच्चे का लंच करवाना है जिसमें उसे आधा कप हरी मटर के चावल और आधा कप चिकन करी खिलानी है। वेजिटेरियन हैं तो आधा कप चावल, आधा कप सहजन की दाल में एक चम्मच घी डालकर और आधा कप दही दें। शाम को 4.30 से 5.30 बजे बच्चे को पनीर सैंडविच दें और फिर रात को 7.30 से 8.15 बजे डिनर में एक मटर का परांठा और आधा कप दही खिलाएं।

मंगलवार की डाइट

सुबह बच्चे को एक कप दूध में बादाम और एक चम्मच गुड़ और शहद डालकर दें। नाश्ते में बच्चे को सेरेलेक खिला सकती हैं। इसके थोड़ी देर बाद एक वेज रोज और आधा कप तरबूज खिलाना है। लंच में आधा कप वेज पुलाव और आधा कप रायता खिलाएं। शाम को एक कप मैंगो जूस पिलाएं। अब डिनर में बच्चे को घी लगाकर एक रोटी और आधा कप चुकंदर की सब्जी दें। रात को सोने से पहले एक कप दूध में एक चम्मच गुड़ या शहद डालकर दें।

बुधवार का खाना

25 साल के बच्चे को सुबह ड्राई फ्रूट्स के साथ एक कप दूध दें। ब्रेकफास्ट में एक इडली और दो चम्मच नारियल की चटनी खिलाएं। कुछ देर बाद एक कप संतरे का जूस पिलाना है। लंच में आधा कप चावल, आधा कप दाल पालक, एक चम्मच घी और आधा कप दही खिलानी है। इसके थोड़ी देर बाद एक रागी का लड्डू और एक केला खिलाएं। डिनर में बच्चे को आधा कप वेजिटेबल खिचड़ी के साथ आधा कप दही दें। रात को सोने से पहले एक कप दूध में एक चम्मच गुड़ या शहद डालकर दें।

बृहस्पतिवार का भोजन चार्ट

सुबह उठने के बाद बच्चे को एक कप केले के मिल्क शेक में एक चम्मच शहद डालकर दें। इसके बाद नाश्ते में एक कटोरी सेरेलेक खिलाएं। कुछ देर बाद बच्चे को आधा कप मिक्स वेज सूप और आधा कप अनानास खिलाना है। दोपहर को लंच में आधा कप मिक्स वेजिटेबल राइस और आधा कप दाल फ्राई खिलाएं। लंच के बाद एक बेसन का लड्डू और आधा कप खरबूजा खिलाएं। डिनर में आधा कप वेज नूडल्स दें। रात को सोने से पहले एक कप दूध में एक चम्मच गुड़ या शहद डालकर दें।

शुक्रवार का डाइट चार्ट

शुक्रवार को सुबह नाश्ते से पहले ड्राई फ्रूट्स के साथ एक कप दूध दें। ब्रेकफास्ट में एक कप पोहा खिलाएं। फिर थोड़ी देर बाद एक संतरा देना है। बच्चे को लंच में आधा कप चावल, आधा कप लौकी की दाल और एक चम्मच घी डालकर खिलाएं। शाम को एक वेज कटलेट के साथ आधा कप लस्सी पिलाएं। रात को डिनर में एक परांठा और आधा कप दाल फ्राई में एक चम्मच घी डालकर परोसें। रात को सोने से पहले एक कप दूध में एक चम्मच गुड़ या शहद डालकर दें।

शनिवार का खाना कैसा रखें

सुबह नाश्ते से पहले ड्राई फ्रूट्स के साथ एक कप दूध दें। इसके बाद नाश्ते में एक कटोरी सेरेलेक खिलाएं। थोड़ी देर बाद एक कप पपीता और 4 से 5 खजूर खिलाएं। लंच में बच्चे को घी लगाकर एक रोटी और आधा कप गाजर और आलू की सब्जी दें। शाम को एक कप गाजर का सूप पिलाएं। रात को डिनर में आधा कप वेजिटेबल पास्ता खिलाएं। रात को सोने से पहले एक कप दूध में एक चम्मच गुड़ या शहद डालकर दें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

विश्व बैंक ने श्रीलंका को 70 करोड़ डॉलर की राशि जारी करने की मंशा जाहिर की

कोलंबो । विश्व बैंक ने गहरे आर्थिक संकट से गुजर रहे श्रीलंका को 70 करोड़ डॉलर की राशि जारी करने की मंशा जाहिर की है। मौजूदा कर्जों को ही नए मद में आवंटित करने से श्रीलंका को फौरी राहत मिलने की उम्मीद है। रिपोर्ट के मुताबिक, विश्व बैंक के श्रीलंका प्रमुख चियो कांडा ने पिछले हफ्ते विदेश मंत्री जी एल पेइरिस से मुलाकात के दौरान यह आश्वासन दिया था। उन्होंने कहा कि विश्व बैंक पहले से स्वीकृत परियोजनाओं की राशि पुनर्नियोजित कर जारी करेगा। विदेश मंत्रालय के हवाले से प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक, कांडा ने पेइरिस को आश्वासन दिया है कि विश्व बैंक इस बारे में एशियाई विकास बैंक (एडीबी), एशियाई अवसरंचना निवेश बैंक (एआईआईबी) एवं संयुक्त राष्ट्र कार्यालय के साथ मिलकर काम करेगा। इस दौरान श्रीलंकाई विदेश मंत्री ने कांडा से यह मांग की कि अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) से दीर्घकालिक मदद नहीं मिलने तक विश्व बैंक से मदद मुहैया कराई जाए। इस पर कांडा ने कहा कि आने वाले महीनों में श्रीलंका को 70 करोड़ डॉलर दिए जाएंगे। विदेशी मुद्रा के गहरे संकट और उच्च मुद्रास्फीति के दौर से गुजर रहे श्रीलंका ने आईएमएफ से राहत पैकेज देने का अनुरोध किया हुआ है। आईएमएफ ने भी इस दिशा में सकारात्मक संकेत दिए हैं।

ब्रिटेन ने पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया हफ्ते में चार दिन काम का नियम

लंदन । कई देश हफ्ते में 4 दिन काम के फॉर्मूले पर आगे बढ़ रहे हैं। ब्रिटेन भी फोर डे वर्क वीक क्लब में शामिल होने जा रहा है। ब्रिटेन में 1 जून से हफ्ते में चार दिन का काम का पायलट प्रोजेक्ट शुरू हो रहा है। इसे देश की 60 बड़ी कंपनियां लागू कर रही हैं। करीब छह महीने तक चलने वाले इस ट्रायल में कंपनियां अपने कर्मचारियों से हफ्ते में चार दिन या अधिकतम 32 घंटे काम लेंगी। यानी कर्मचारियों को हर हफ्ते तीन दिन की छुट्टी मिलेगी। इसमें देश की 60 बड़ी कंपनियों के 3000 कर्मचारियों को शामिल किया गया है। इस दौरान कर्मचारियों की सैलरी में कोई बदलाव नहीं होगा। श्रम अर्थशास्त्री लेबर इकनॉमिस्ट जोनाथन बॉयस ने कहा इसमें सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि उत्पादकतदा को कैसे मापा जाएगा। कर्मचारियों को पांच दिन का काम चार दिन में करना होगा। इससे पहले संयुक्त अरब अमीरात ने सरकारी प्रतिष्ठानों के लिए जनवरी 2022 से सप्ताह में काम के दिनों को पांच से घटा कर अब साढ़े चार कर दिया गया है। शुक्रवार को आधा दिन काम यानी हाफ-डे वर्किंग रहती है। शनिवार और रविवार को पूरी तरह छुट्टी। माना जा रहा है कि जल्द ही निजी सेक्टर में भी इसी तरह के नियम लागू किए जा सकते हैं। उल्लेखनीय है कि इस समय दुनिया के सात देशों में यह नियम लागू है। जापान की पैनासोनिक पहली जापानी कंपनी है, जिसने इस नियम को लागू किया।

भारत-बांग्लादेश के बीच दो साल बाद ट्रेन सेवाएं बहाल : अधिकारी

ढाका। बांग्लादेश और भारत के बीच यात्री ट्रेन सेवाएं 'मैत्री एक्सप्रेस' और 'बंधन एक्सप्रेस' दो साल बाद रविवार को फिर से शुरू हो गयी। कोरोना वायरस फैलने के कारण ये सेवाएं रोक दी गयी थीं। बांग्लादेश रेलवे के अधिकारियों ने बताया कि ढाका और कोलकाता के बीच मैत्री एक्सप्रेस ट्रेन सेवा ढाका छावनी रेलवे स्टेशन से रविवार को बहाल हुई। बांग्लादेश रेलवे के एक प्रवक्ता ने कहा, 'ट्रेन ढाका छावनी रेलवे स्टेशन से 165 यात्रियों के साथ कोलकाता के लिए रवाना हुई...यह सोमवार को वापसी करेगी और ढाका पहुंचेगी।' उन्होंने बताया कि ट्रेन से यात्रा की संभावित अवधि आठ घंटों की है। बांग्लादेश रेलवे के महानिदेशक धीरेंद्र नाथ मजूमदार ने कहा कि अब से ट्रेन एक सप्ताह में पांच दिन चलेगी। हालांकि कोविड-19 महामारी पूरी तरह खत्म न होने के कारण पहले दिन उम्मीद के अनुरूप यात्री नहीं आए। बीआर अधिकारियों ने बताया कि 465 सीट वाली ट्रेन का इस्तेमाल औसतन करीब 300 यात्रियों को लाने में किया जाता है। इस बीच, एक अन्य ट्रेन सेवा 'बंधन एक्सप्रेस' दो साल बाद फिर से बांग्लादेश पहुंची। यह ट्रेन बांग्लादेश के दक्षिण-पश्चिम में स्थित खुलना और कोलकाता मार्ग के बीच चलती है। बंधन एक्सप्रेस एक सप्ताह में दो दिन चलती है। ये ट्रेन सेवाएं ऐसे समय में बहाल की गयी हैं जब पश्चिमी बंगाल के उत्तरी न्यू जलपाईगुड़ी और ढाका के बीच एक जून से मिताली एक्सप्रेस चलने की संभावना है। एक पर्यटक ट्रेन के तौर पर इसके बांग्लादेश से दार्जलिंग पहाड़ियों और डूअर्स वन तथा चाय बागानों तक पहुंचने की उम्मीद है। दोनों ट्रेन के दो साल के अंतराल के बाद फिर से चलने पर भारत में पूर्वी रेलवे के एक अधिकारी ने कहा कि सीमा के दोनों ओर के लोग ट्रेन सेवाओं के बहाल होने को लेकर उत्साहित हैं।

कनाडा के मशहूर रैपर ड्रेक ने सिद्धू मूसेवाला को दी श्रद्धांजलि, पोस्ट की भावुक तस्वीर

लॉस एंजिलिस/मुंबई। कनाडा के मशहूर रैपर ड्रेक ने सोमवार को पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला को श्रद्धांजलि दी, जिनकी रविवार को पंजाब के मानसा जिले में अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। मूसेवाला (27) कांग्रेस नेता भी थे। पंजाब सरकार द्वारा उनकी सुरक्षा वापस लिए जाने के एक दिन बाद यह घटना हुई। ड्रेक ने इंस्टाग्राम पर मूसेवाला और उनकी मां की एक तस्वीर साझा कर गायक की मौत पर शोक जताया। उन्होंने लिखा, भगवान आपकी आत्मा को शांति दें सिद्धू मूसेवाला। ड्रेक ने 2020 में तब सुर्खियां बंटोरी थीं, जब उन्होंने मूसेवाला को इंस्टाग्राम पर फॉलो करना शुरू किया था। ड्रेक को अपना प्रेरणास्रोत मानने वाले मूसेवाला कनाडा में नियमित तौर पर लाइव प्रस्तुतियां देते थे। रणवीर सिंह, विक्की कौशल, दिलजीत दोसांझ और संगीतकार सलीम मर्चेंट जैसे भारतीय कलाकारों ने भी मूसेवाला को श्रद्धांजलि दी। रणवीर सिंह और विक्की कौशल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर दिवंगत गायक के गाने 'दिल दा नी माडा' का भी हवाला दिया। रविवार को अहमदाबाद में इंडियन प्रीमियर लीग के समापन समारोह में प्रस्तुति देने वाले सिंह ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर मूसेवाला की तस्वीर भी साझा की और इसे कैप्शन दिया: 'अमर' (इमोर्टल)। पंजाबी गायक मूसेवाला को एक प्रतिभाशाली कलाकार बताते हुए अभिनेता-गायक दिलजीत दोसांझ ने कहा कि गायक के निधन की खबर दिल तोड़ने वाली है। अभिनेता-गायक ने ट्वीट किया, 'दिल तोड़ने वाली खबर। वह एक प्रतिभाशाली लड़का था। मैं उससे कभी नहीं मिला लेकिन उसकी मेहनत बोलती थी। इसमें कोई शक नहीं कि यह माता-पिता के लिए बहुत कठिन समय है। संगीत उद्योग के लिए एक बुरा दिन।' संगीतकार सलीम मर्चेंट, जिनका सिद्धू मूसवाला के साथ एक गाना रिलीज होने वाला है, उन्होंने ट्विटर पर गायक की मौत पर दुख जताते हुए लिखा, मैं सिद्धू मूसेवाला की हत्या की खबर से स्तब्ध और दुखी हूं। सिद्धू एक रत्न थे। हमारा गाना जल्द ही रिलीज होने वाला था। यह अविश्वसनीय है। इससे पहले, अभिनेता अजय देवगन, ऋचा चड्ढा, कपिल शर्मा, स्वरा भास्कर, संगीतकार विशाल ददलानी और लोकप्रिय टीवी होस्ट रणविजय सिंह सहित अन्य कलाकारों ने भी मूसेवाला के लिए अपनी संवेदना व्यक्त की। पुलिस उपाधीक्षक (मानसा) गोबिंदर सिंह ने रविवार को पीटीआई- को बताया था, 'मूसेवाला को कई गोलियां लगी थीं। वह एक जीप में अपने दो दोस्तों के साथ यात्रा कर रहे थे, तभी जवाहर गांव में उन पर हमला कर दिया गया।' शुभदीप सिंह सिद्धू, जिन्हें सिद्धू मूसेवाला के नाम से जाना जाता था, उन 424 लोगों में शामिल थे, जिनकी सुरक्षा शनिवार को पंजाब पुलिस ने वापस ले ली थी। मूसेवाला ने हाल ही में मानसा से कांग्रेस के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ा था।

टेक्सास में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन रोब एलीमेंट्री स्कूल की प्रिंसिपल को दिलासा देते हुए, इसी स्कूल में एक बंदूकधारी की गोली से कई बच्चों की मौत हुई थी।

वैज्ञानिकों को चांद की सतह के नीचे मिला जल का छिपा भंडार, धरती से नहीं ले जाना होगा पानी

वॉशिंगटन । चंद्रमा में जीवन की संभावनाओं को लेकर वैज्ञानिकों की कवायद जारी है। हालांकि, इंसान इस पर कदम रख चुका है। लेकिन अब यहां पर रहने की योजना पर काम किया जा रहा है। कई स्पेस एजेंसियां चांद पर बेस बनाना चाहती हैं। इंसान का जीवन बिना पानी के संभव नहीं और एक बेस को धरती से पानी ले जाकर चलाना बेहद खचीर्ला होगा। चांद पर पानी को लेकर वैज्ञानिकों का मानना है कि उसकी सतह के नीचे इतना पानी है जिससे बेस की सभी जरूरतें पूरी हो जाएंगी। एक स्टडी के मुताबिक प्राचीन ज्वालामुखी विस्फोटों से निकली गैसों ने चांद के ध्रुवों पर सैकड़ों फीट मोटी बर्फ की चादर छोड़ी होगी। शोधकर्ता मानते हैं कि दो से चार अरब साल पहले निकले वाष्प का पांचवा हिस्सा क्रेटर में जमा हो गया होगा। यूनिवर्सिटी ऑफ कोलोराडो के शोध के मुताबिक तब चांद की हजारों वर्ग मील लंबी सतह लावा से ढकी हुई थी। भौतिक विज्ञानी एंड्रयू विल्कोस्की ने कहा कि चांद के ठंडा होने के कारण हम ऐसा मानते हैं कि वहां पानी होगा। क्योंकि समय के साथ वहां तापमान में भारी कमी आई। रिसर्च के सह लेखक प्रो पॉल हेन ने कहा कि अगर चांद पर पानी मिलता है तो ये खोजकताओं के लिए एक वरदान होगा। ये पीने के साथ-साथ रॉकेट के ईंधन के रूप में इस्तेमाल हो सकेगा। यूनिवर्सिटी ऑफ अलास्का फेयरबैंक्स के एक शोध में हाल ही में दावा किया गया था कि चांद के पत्थरों के नीचे मौजूद बर्फ के रूप में पानी पृथ्वी से ही पहुंचा है।

नेपाल विमान हादसा : सेना ने दुर्घटनास्थल का पता लगाया

दुर्घटनाग्रस्त हुए नेपाली विमान में सवार 14 लोगों के शवों को निकाला गया, 8 की तलाश जारी

काठमांडू। (एजेंसी)

नेपाल मीडिया की तरफ से जारी जानकारी के अनुसार नेपाल में विमानन कंपनी 'तारा एअर' के दुर्घटनाग्रस्त विमान के मलबे से 14 शव निकाले गए। नेपाली विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के सुराग मिल गये हैं। नेपाल से उड़ान भरने के 15 मिनट बाद ही जमीन से विमान का संपर्क टूट गया और तमाम कोशिशों के बाद कुछ हासिंत नहीं हुआ। अनहोनी की आशंका को लेकर विमान की खोज शुरू हुई और आखिर में अनहोनी की आशंका सच साबिद हुई। हिमालय की पहाड़ियों में विमान क्रैश हो गया था। विमान के मलबे की पहली तस्वीर नेपाल आर्मी ने जारी की हैं और अब ताजा जानकारी के अनुसार बचावकर्मियों मे 14 शवों को निकाला है। प्लेन में कुल 22 लोग सवार थे।
नेपाल की सेना को विमानन कंपनी ह्यतारा एयरह्न के दुर्घटनाग्रस्त विमान के मलबे के पर्वतीय मुस्तांग जिले में होने के सुराग मिले हैं। सेना के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। हालांकि, विमान में सवार 22 लोगों के बारे में अब भी कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर नारायण सिल्वाल ने कहा, 'सैनिकों और बचावकर्मियों ने दुर्घटनास्थल का पता लगा लिया है। इससे जुड़ी विस्तृत जानकारी

जल्द साझा की जाएगी।' उन्होंने ट्वीट किया, 'दुर्घटनास्थल मुस्तांग जिले के थसांग-2 के सनोसवेयर में है।' सिल्वाल ने बताया कि पुलिस निरीक्षक लेफ्टिनेंट मंगल श्रेष्ठ और एक गाइड दुर्घटनास्थल पर पहुंच चुके हैं। उन्होंने कहा, 'विभिन्न एजेंसियों के अन्य बचाव दल छोटे हेलीकॉप्टर के जरिये दुर्घटनास्थल पर पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। वहां पहुंचने के लिए हर संभव साधन के इस्तेमाल पर विचार किया जा रहा है।'
'तारा एयर' के 'ट्विन ओट्टर 9एन-एईटी' विमान ने पोखरा से रविवार सुबह करीब 10 बजे उड़ान भरी थी, लेकिन 15 मिनट बाद ही उसका नियंत्रण टॉवर से संपर्क टूट गया। विमान में चार भारतीय, दो जर्मन और 13 नेपाली नागरिकों सहित कुल 22 लोग सवार थे। उनके बारे में अभी तक कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। अधिकारियों के मुताबिक, खराब मौसम और बादल छाए रहने के कारण दुर्घटनाग्रस्त विमान के मलबे तक पहुंचने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। कनाडा में निर्मित यह विमान पोखरा से मध्य नेपाल स्थित मशहूर पर्यटक शहर जोमसोम की ओर जा रहा था। विमानन कंपनी की ओर से जारी यात्रियों की सूची के अनुसार, विमान में मौजूद भारतीयों की पहचान अशोक कुमार त्रिपाठी, उनकी पत्नी वैभवी बांडेकर त्रिपाठी और बच्चों-धनुष त्रिपाठी व ऋतिका त्रिपाठी के तौर पर हुई है। यह परिवार महाराष्ट्र के ठाणे जिले का रहने वाला है। समाचार साइट 'रातोपाटी डॉट कॉम' के अनुसार, 'दुर्घटनास्थल का पता चल गया है। विमान पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है और उसके टुकड़े इधर-उधर बिखरे पड़े हैं।' 'रातोपाटी डॉट कॉम' ने स्थानीय निवासी इंद्रा सिंह के हवाले से कहा कि शवों के टुकड़े भी इधर-उधर बिखरे पड़े हैं और वे शिनाख्त की हालत में नहीं हैं। वहीं, ऑनलाइन समाचार मंच 'जनमंच डॉट कॉम' की एक खबर के मुताबिक, दुर्घटनाग्रस्त विमान का मलबा मानापथ पर्वत के नीचे सनोसवेयर में मिला है। खबर में स्थानीय लोगों के हवाले से कहा गया है कि विमान लांखु नदी के उद्गम स्थल के पास पहाड़ी पर दुर्घटनाग्रस्त हुआ और कई हिस्सों में टूटकर बिखर गया।

सावधान! मंकीपॉक्स का संक्रमण दुनिया में बढ़ा, 23 देशों में 257 मामले, डब्ल्यूएचओ ने दी चेतावनी

वॉशिंगटन (एजेंसी)

दुनिया अभी कोरोना के दंश से उबरी भी नहीं है और अब मंकीपॉक्स संक्रमण के मामलों के कई देशों में बढ़ने ने चिंता बढ़ा दी हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने बताया कि गुरुवार तक आए आंकड़ों के मुताबिक 23 देशों में 257 मामलों की पुष्टि हो चुकी है। वहीं 120 संदिग्ध मामलों की रिपोर्ट सामने आई है। ये सभी वह देश हैं जहां मंकीपॉक्स आम तौर पर नहीं पाया जाता। अमेरिका में रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र ने शुक्रवार दोपहर तक आठ राज्यों में 12 मामले दर्ज किए। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि पांच अफ्रीकी देशों में जहां मंकीपॉक्स आमतौर पर पाया जाता है वहां 1365 मामलों और 69 मौतों की रिपोर्ट मिली है। दिसंबर से लेकर मई के बीच अलग-अलग समय में ये मामले मिले हैं। वहीं 23 देशों में मंकीपॉक्स से अभी तक कोई मौत नहीं हुई है। रविवार को डब्ल्यूएचओ ने कहा कि 2017 के बाद से पश्चिम अफ्रीका में मंकीपॉक्स से पीड़ित लोगों की कुछ मौतें कम उम्र या एचआईवी संक्रमण के कारण हुई हैं। डब्ल्यूएचओ ने कहा कहा कि वैश्विक रूप से महामारी के जोखिम का स्तर मध्यम है। एजेंसी ने आगे बताया कि यह पहली बार है जब मंकीपॉक्स के मामले व्यापक रूप से असमान भौगोलिक क्षेत्रों जैसे पश्चिम या मध्य अफ्रीका में फैले हैं। हालांकि डब्ल्यूएचओ ने इस बात को लेकर आगाह किया है कि अगर वायरस खुद को मानव रोगजनक बना लेता है और कमजोर इम्यून वालों को संक्रमित करता है तो सार्वजनिक जोखिम का स्तर बढ़ सकता है। हालांकि अभी तक मंकीपॉक्स के मामले समलैंगिकों में ज्यादा मिले हैं। डब्ल्यूएचओ ने हाल ही में समलैंगिक पुरुषों को सावधान रहने की सलाह दी थी। रविवार को डब्ल्यूएचओ ने कहा कि प्रभावित लोगों और समुदायों पर किसी भी तरह का आरोप न लगे इसके लिए सभी प्रयास किए जाने चाहिए। मंकीपॉक्स हालांकि शारीरिक संबंध बनाने से फैलने वाला वायरस नहीं है। लेकिन अगर किसी के शरीर पर मंकीपॉक्स के चकत्ते हैं तो ये दूसरे व्यक्ति के शरीर पर आ सकते हैं।

यूएनएचआरसी प्रमुख की शिनजियांग यात्रा प्रतिबंधित करने के चीन के प्रयासों से अमेरिका चिंतित: ब्लिंकन

बीजिंग (एजेंसी)

अमेरिका ने चीन में उइगर मुसलमानों के खिलाफ बड़े पैमाने पर मानवाधिकारों के उल्लंघन के आरोपों को सत्यापित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) की प्रमुख मिशेल बेशलेट की शिनजियांग प्रांत की हालिया सम्पन्न यात्रा को बीजिंग द्वारा 'प्रतिबंधित करने और तोड़ने-मरोड़ने के प्रयासों' पर चिंता व्यक्त की है। अमेरिका ने कथित मानवाधिकार उल्लंघनों को 'नरसंहार' की संज्ञा दी है। हांगकांग स्थित साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के अनुसार, अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने रविवार को कहा, 'अमेरिका संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त मिशेल बेशलेट और उनकी टीम की चीन की यात्रा को प्रतिबंधित करने और तोड़ने-मरोड़ने के बीजिंग के प्रयासों को लेकर चिंतित है।' उन्होंने कहा, 'हम चिंतित हैं कि बीजिंग के अधिकारियों द्वारा यात्रा पर थोपी गई शर्तों से चीन में मानवाधिकारों का पूर्ण और स्वतंत्र मूल्यांकन नहीं हो पाया है। इसमें शिनजियांग भी शामिल है, जहां मानवता के खिलाफ अपराध और नरसंहार जारी हैं।' ब्लिंकन की यह टिप्पणी बेशलेट की चीन की छह-दिवसीय यात्रा की समाप्ति पर आयी है, जिसमें चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ वीडियो लिंक के माध्यम से बातचीत और शिनजियांग के काशगर और उरुमकी में प्रवास शामिल था। ब्लिंकन ने कहा कि वह 'उन खबरों से भी परेशान हैं जिसके तहत कहा गया है कि शिनजियांग के निवासियों को इस क्षेत्र की स्थिति के बारे में शिकायत न करने या न बोलने की चेतावनी भी दी गयी थी, इतना ही नहीं लापता सैकड़ों उइगर मुसलमानों का अता-पता भी नहीं बताया गया और कैद में बंद लाखों लोगों की स्थिति' के बारे में भी जानकारी नहीं दी गयी।

अनस हक्कानी ने भारत की जमकर तारीफ की, कहा- क्रिकेट से भी मजबूत हो सकते हैं दोनों देशों के संबंध

इस्लामाबाद। (एजेंसी)

भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने आतंकवाद और आतंकवादी समूहों का मुकाबला करने में अफगानिस्तान की मदद करने और उसकी क्षमता बढ़ाने का आह्वान करते हुए कहा कि भारत हमेशा से ही काबुल का एक महत्वपूर्ण साझेदार रहा है और भविष्य में भी रहेगा। वहीं तालिबान को अब भारत को भी अब भारत की जरूरत महसूस होने लगी है। यही वजह है कि तालिबान के नेता अनस हक्कानी ने भारत की जमकर तारीफ की है। अनस ने कहा है कि भारत के लिए अफगानिस्तान के दरवाजे हमेशा खुले हुए हैं। इसके साथ ही हक्कानी ने क्रिकेट के जरिए दोनों देशों के संबंधों को मजबूती पर भी जोर दिया है। अनस हक्कानी पूर्व अफगान अधिकारियों और राजनीतिक आंकड़े आयोग के साथ वापसी और संचार आयोग के मुखिया हैं। वो सिराजुद्दीन हक्कानी के भाई भी हैं, जो अब अफगानिस्तान के इस्लामी अमीरात (आईईए) के आंतरिक मंत्री हैं।

भारत के निवेश को सुरक्षित रखा जाएगा'

हक्कानी ने कहा कि अफगानिस्तान में भारत का जो भी दांव है उसे अमीरात की स्थिर सरकार के तहत फिर से हासिल किया जा सकता है। अमीरात अपना समर्थन और आश्वासन देता है। इसके बावजूद अगर कोई समस्या है तो हम वो सुनिश्चित करेंगे। अफगानिस्तान में फिर से राजनयिक मिशन को खोलने और सामान्य द्विपक्षीय संबंध बहाल करने के सवाल पर अनस हक्कानी ने कहा कि जैसा कि मैंने आपको पहले भी बताया कि अफगान की एक नीति है जिसके तहत उसके पास है दुनिया के लिए एक खुला निमंत्रण है, जिसमें सभी देश शामिल हैं। दुनिया के सभी देश अमीरात के साथ अपने राजनयिक संबंध फिर से पहले की माफिक बहाल कर सकते हैं। भारत को भी हमारी तरफ से राजनयिक संबंध बहाल करने का निमंत्रण है और जैसा की पूर्ववर्ती सरकारों के दौरान था उसी तरह वर्तमान की स्थिर सरकार के दौरान भी रिश्ते जारी रखे जा सकते हैं। अगर भारत कोई भी समस्या है, कोई मुद्दा है इसकी सारी आशंकाओं को सुना व दूर किया जाएगा। भारत अपनी एंबेसी को फिर से खोल सकता है और अफगानिस्तान के लोगों के साथ एक दोस्ताना माहौल में रिश्ते कायम कर सकता है। आइए और हमारे साथ पुराने दोस्तों की तरह रहें।

क्रिकेट से भी मजबूत हो सकते हैं भारत-अफगानिस्तान संबंध

भारत अफगानिस्तान के रिश्तों में क्रिकेट की भूमिका के बारे में पूछे जाने के पर अनस हक्कानी ने कहा कि यह सच है और एक सच्चाई है कि अफगानिस्तान की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक स्थान है। अफगान टीम ने बहुत ही कम समय में यह उपलब्धि हासिल की है। क्रिकेट दोनों देशों को एक साथ ला सकता है।

रूस के यूक्रेन पर हमले से सावधान हुआ जापान, दोगुना करेगा अपना रक्षा बजट

क्योटो (एजेंसी)

यूक्रेन पर रूस के हमले से जापान अलर्ट हो गया है। जापान ने दूसरे विश्वयुद्ध के बाद अपनाई गई अपनी रक्षात्मक रणनीति को छोड़ते हुए अब पहले हमला करने की ताकत जुटाना शुरू कर दिया है। यही नहीं, जापान अपने रक्षा बजट को भी दोगुना करने जा रहा है। जापान को रूस और चीन दोनों से खतरा है। जापान ने यह तैयारी ऐसे समय पर शुरू की है, जब पुतिन और शी जिनपिंग दोनों ही आक्रामक रुख को अपनाते हुए टोक्यो पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं।
यही नहीं, क्वाड शिखर सम्मेलन के दौरान चीन और रूस ने अपने परमाणु बॉम्बर भेजकर जापान को डराने की कोशिश की थी। जापान में फूमिओ किशिदा की सरकार ने साफ संकेत दे दिया है कि वह दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान की रक्षात्मक रणनीति को तिलांजलि दे रहा है। किशिदा ने अब देश की रक्षा नीति में आमूल-चूल बदलाव को तेज कर दिया है। यही वजह है कि जापान न केवल अपनी सेना पर खर्च को दोगुना करने जा रहा है, बल्कि 'पहले हमला करने की ताकत' को हासिल करने के करीब पहुंच गया है। किशिदा ने अपने कार्यकाल के पहले 8 महीने में विदेशी मोर्चे पर अप्रत्याशित चुनौतियों का सामना किया है।
दरअसल, रूस के यूक्रेन पर हमले से एशिया-प्रशांत क्षेत्र में यह डर सताने लगा है कि चीन भी ताइवान पर हमले के लिए इसी तरह की रणनीति को अपना सकता है। चीन ताइवान को अपना प्रांत मानता है और ड्रैगन ने उसे मुख्य भूमि से मिलाने का प्रण किया है। दूसरे विश्वयुद्ध के बाद जापान के संविधान के अनुच्छेद 9 को अमेरिकी सेना ने लिखा था। इस अनुच्छेद में कहा गया है कि जापान युद्ध से दूर रहेगा और अंतरराष्ट्रीय विवादों का निपटारा करने के लिए ताकत के इस्तेमाल से परहेज करेगा।
उल्लेखनीय है कि यूक्रेन पर हमले के पहले ही जापान की सत्तारूढ़ पार्टी एलडीपी ने एक ज्यादा मजबूत रक्षा नीति पर फोकस शुरू कर दिया था। एलडीपी ने अगले 5 साल के लिए रक्षा पर खर्च को जीडीपी का 1 से 2 प्रतिशत करने का प्रस्ताव दिया था। जापान दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था है। जापान अपनी जीडीपी का अगर 2 प्रतिशत रक्षा पर खर्च करता है, तो वह दुनिया की तीसरी बड़ी सैन्य ताकत बन जाएगा। जापान अभी रक्षा पर खर्च के मामले में 9वें नंबर पर है।
जापान ने साल 2021 में 54.1 अरब डॉलर खर्च किया जो अमेरिका के 801 अरब डॉलर और चीन के 291 अरब डॉलर से बहुत कम है। विश्लेषकों का मानना है कि जापान के रक्षा खर्च को बढ़ाकर जीडीपी का 1 प्रतिशत करना क्षेत्रीय सुरक्षा और रूस के यूक्रेन पर हमले को लेकर उसकी बढ़ती चिंता को दशार्ता है। जापान में अब ज्यादा लोग इस बात पर जोर देते हैं कि रूस ने यूक्रेन में जो हमला किया है, उसकी पुनरावृत्ति एशिया में चीन की ओर से नहीं होनी चाहिए। यह तब हो रहा है जब चीन और उत्तर कोरिया अपनी मिसाइल क्षमता को बढ़ा रहे हैं, वहीं अमेरिकी ताकत में गिरावट आ रही है।

जापान के प्रधानमंत्री ने चीनी सेना की गतिविधियों पर चिंता जताई है। चीन ने जापान के सेनकाकू द्वीप समूह के पास अपनी गतिविधि को बहुत बढ़ा दिया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

हाई कोर्ट पर बयान दे फंसे अभिषेक बनर्जी

नई दिल्ली । पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने मुख्य सचिव को तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। न्यायालय को लेकर टिप्पणी करने के मामले में राज्यपाल ने यह निर्देश दिया है। दरअसल अभिषेक बनर्जी ने कहा था कि हाई कोर्ट के एक फीसदी लोग केंद्र सरकार के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा था कि चुनिंदा लोग हैं जो हर मामले में सीबीआई जांच का आदेश दे रहे हैं। हाई कोर्ट ने अभिषेक बनर्जी के खिलाफ केस दर्ज करने की इजाजत दी है। बनर्जी ने पूर्वी मेदिनीपुर जिले के हल्दिया में एक रैली के दौरान कोर्ट को लेकर टिप्पणी की थी। कोलकाता हाई कोर्ट से 7 मामलों में सीबीआई जांच के आदेश देने के मामले में सांसद ने यह बयान दिया था। इसकी निंदा करते हुए राज्यपाल धनखड़ ने कहा कि अभिषेक रेड लाइन क्रॉस कर रहे हैं। दरअसल कोलकाता हाई कोर्ट ने एसएससी द्वारा भर्ती प्रक्रिया के साथ अन्य कई मामलों में सीबीआई जांच के आदेश दिए थे। इसके अलावा अभिषेक बनर्जी समेत टीएमसी नेताओं पर कोयला घोटाला, आय से अधिक संपत्ति और चुनावी हिंसा की जांच चल रही है। इसीलिए अभिषेक बनर्जी कोर्ट पर भड़क गए। उन्होंने कहा कि केंद्रीय एजेंसियां उत्पीड़न कर रही हैं और बदला ले रही हैं बनर्जी ने कहा कि केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। बंगाल का अपमान करने के लिए उन्हें बार-बार दिल्ली बुलाया जाता है। भाजपा विधायक शुभेंदु अधिकारी ने पलटवार करते हुए कहा कि सीबीआई और ईडी से बचने केलिए उन्होंने मेदिनीपुर की विरासत, आत्मा और भावना को बेच दिया है।

पुलवामा में आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़, 2 आतंकी ढेर

श्रीनगर । पुलिस अधिकारियों ने कहा कि दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले के गुंडीपोरा इलाके में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए। पुलिस ने कहा कि एक और आतंकवादी मारा गया (कुल 2 आतंकी मारे गए), साथ ही दो एके राइफल बरामद की गई है। रविवार को पुलिस और सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम ने आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशेष जानकारी के आधार पर इलाके को घेरकर तलाशी अभियान शुरू कर दी। जैसे ही सुरक्षा बल उस स्थान पर पहुंचे, जहां आतंकवादी छिपे हुए थे, आतंकवादियों ने गोलियां चलानी शुरू दी। इसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने कश्मीर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक विजय कुमार के हवाले से कहा था कि हमारे शहीद कांस्टेबल रियाज अहमद के हत्यारे सहित प्रतिबंधित आतंकी संगठन जेईएम के दो स्थानीय आतंकवादी मुठभेड़ में मारे गए। जेईएम आतंकवादी आबिद शाह ने हमारे निहत्थे सहयोगी की हत्या 13 मई को कर दी थी।

मार्च-अप्रैल में 40 डिग्री पहुंचा तापमान, आम की फसल को पहुंचा काफी नुकसान

पूरी तरह से बेकार हुई आम की फसल

नई दिल्ली । दशहरी सहित आम की तमाम रसीले वैराइटी का स्वाद चखने का इंतजार कर रहे लोगों को निराश होना पड़ेगा है। खराब मौसम की वजह से आम की फसल बुरी तरह प्रभावित हुई है। आम उत्पादकों का कहना है इस साल आम का उत्पादन 70 फीसदी तक कम रह सकता है। भारतीय आम उत्पादक संगठन के अध्यक्ष इंसराम अली ने बताया कि इस बार उत्पादन कम होने की वजह से गर्मियों में आम की कीमतें बढ़ेगी। लखनऊ व उसके आसपास होने वाले दशहरी सहित अन्य वैराइटी के आम का उत्पादन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। हर साल यूपी में जहां 35 से 45 लाख मीट्रिक टन का उत्पादन होता है, वहीं इस बार सिर्फ 10-12 लाख मीट्रिक टन उत्पादन होने का अनुमान है। अली ने कहा, खपत के मुकाबले आम का उत्पादन बेहद कम रहने की वजह से इस साल इसकी कीमतों में बंपर उछाल की आशंका है। इस साल फरवरी-मार्च में तापमान औसत से काफी ज्यादा रहा इसकारण आम के पेड़ों पर फूल आते ही नुकसान हो गया। आम के बौर लगने के समय अमूमन 30 से 35 डिग्री तापमान की जरूरत है, लेकिन इस साल मार्च में यह तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। इससे आम के बौर को काफी नुकसान पहुंचा। दुनियाभर में आम उत्पादन के लिए मशहूर लखनऊ के मलीहाबाद में इस साल फसलें काफी खराब हो गई हैं। आम का उत्पादन करने वाले कारोबारी का कहना है कि इतनी बुरी हालत मैंने अपनी जिंदगी में नहीं देखी है। मेरी तरह यूपी के हजारों आम उत्पादक इस साल खराब फसल की वजह से मुश्किल में हैं। इस साल मार्च का तापमान 122 साल में सबसे ज्यादा रहा, जबकि अप्रैल 50 साल का सबसे गर्म महीना था। इसकारण फल आने से पहले ही फसल खराब हो गई। अली ने कहा, यूपी हमारे देश में आम निर्यात का सबसे प्रमुख राज्य है। यहां से सऊदी, अमेरिका, ब्रिटेन और जर्मनी तक आम भेजा जाता है। इस बार घरेलू खपत ही पूरी करने भरका उत्पादन नहीं हुआ है। इसके अलावा जो निर्यातक पिछले साल कोरोना प्रतिबंधों की वजह से आम विदेशों में नहीं भेज पाए थे, वे इस साल कम उत्पादन की वजह से आम नहीं भेज सकते है। अली ने कहा कि दुनियार में कुल आम उत्पादन का 50 फीसदी सिर्फ भारत में होता है। यहां यूपी के अलावा आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, बिहार और गुजरात जैसे राज्यों में आम का बंपर उत्पादन किया जाता है। हालांकि, सबसे ज्यादा मांग यूपी के दशहरी आमों की रहती है, जिनका सबसे ज्यादा उत्पादन लखनऊ, प्रतापगढ़, हरदोई, सहारनपुर, बाराबंकी और सीतापुर में होता है।

ज्ञानवापी के बीच अजमेर दरगाह शरीफ को मंदिर बताने के दावे से फैली सनसनी, पीएफआई ने दी धमकी

जयपुर । राजस्थान में अजमेर स्थित ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह को मंदिर बताने के एक संगठन के दावे के बाद मामला फिर सुर्खियों में है। महाराणा प्रताप सेना नाम के फेसबुक पेज पर इसको लेकर की गई टिप्पणी के बाद अब पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) ने इस मामले में धमकी दी है। पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के राजस्थान अध्यक्ष मोहम्मद आसिफ ने धमकी देते हुए कहा कि ये दुस्साहस बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। महाराणा प्रताप सेना ने दरगाह के नीचे शिव मंदिर होने का दावा किया था। यहां भी सर्वे कराने की मांग की गई थी। उत्तर प्रदेश की ज्ञानवापी मस्जिद का मसला चर्चा में आने के बाद पिछले दिनों राजस्थान के अजमेर दरगाह शरीफ को लेकर सोशल मीडिया में की गई एक पोस्ट ने नई सनसनी फैला दी थी। इस पर पोस्ट में अजमेर दरगाह के नीचे शिवलिंग होने का दावा करते हुए सीएम और केंद्र सरकार को जांच के लिए पत्र लिखा गया था। महाराणा प्रताप सेना ने कहा कि इस फेसबुक पेज पर राजवर्धन सिंह परमार ने यह पोस्ट की थी। इस पोस्ट में दरगाह के स्थान पर पहले शिवलिंग होने का दावा किया गया था। इस पोस्ट के बाद हुई चर्चा के कारण पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया था। एडीएम सिटी और एएसपी ने दरगाह पहुंचे थे। हालांकि इस दौरान उन्होंने मीडिया से बात करते हुये कहा कि उनके दौरे का इस विषय से ना जोड़ा जाये। वे यहां सामान्य व्यवस्थाओं का जायजा लेने आये हैं। महाराणा प्रताप सेना के इस दावे को झूठा बताते हुये अपना बयान भी जारी किया था। महाराणा प्रताप सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजवर्धन सिंह परमार के इस दावे को दरगाह की अंजुमन कमेटी ने पूरी तरह से खारिज करते हुये कहा था कि कहा की इस जगह पर कभी ऐसा कुछ नहीं रहा। खादिमों की संस्था अंजुमन कमेटी के अध्यक्ष एवं सचिव ने इस दावे को झूठा बताते हुये कहा था कि गरीब नवाज की दरगाह धर्म जात के बंधन से परे हटकर सर्वधर्म सद्भाव की प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यहां मुसलमानों से ज्यादा अपनी मुरादें लेकर हिंदू जियारत के लिए आते हैं।

मोदी ने प्रत्येक नागरिक के सपनों को पंख देकर उनमें नया आत्मविश्वास जगाया है: अमित शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी सरकार के अब तक के आठ साल के दौरान देश के हर नागरिक के सपनों और आकांक्षाओं को पंख देकर उनमें नया विश्वास जगाया है। मोदी नीत सरकार के सत्ता में आठ साल पूरे करने पर सिलसिलेवार ट्वीट में शाह ने कहा कि मोदी के रूप में भारत को ऐसा नेतृत्व मिला है जिस पर हर वर्ग को विश्वास है और गर्व भी। शाह ने हैशटैग 'सेवा के आठ साल' के साथ ट्वीट किया, 'प्रधानमंत्री मोदी ने सत्ता को सेवा का माध्यम मानकर गरीबों, किसानों, महिलाओं व वंचितों को उनके अधिकार दिए जिससे लोकतंत्र में उनका विश्वास जगा और वे देश की विकास यात्रा में सहभागी बने। अनेकों ऐतिहासिक उपलब्धियों से परिपूर्ण इन आठ वर्षों की सभी देशवासियों को बधाई।' उन्होंने ट्वीट किया, 'मोदी के रूप में आज भारत के पास एक ऐसा नेतृत्व है जिसपर हर वर्ग को विश्वास भी है और गर्व भी। अपने अथक परिश्रम से जनता की अपेक्षाओं को पूरा करना इस विश्वास का मजबूत स्तंभ है। 130 करोड़ भारतीयों के विश्वास की यह शक्ति आज देश को हर क्षेत्र में आगे ले जा रही है।' शाह ने कहा, 'गत आठ वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी ने देश के हर नागरिक के सपनों व आकांक्षाओं को पंख देकर उनमें नया आत्मविश्वास जगाया है। मोदी ने अपने सक्षम नेतृत्व व दृढ़ इच्छाशक्ति से न सिर्फ देश को सुरक्षित किया बल्कि कई ऐसे निर्णय लिए जिससे हर देशवासी का सिर गर्व से ऊंचा उठा।' शाह ने कहा कि प्रौद्योगिकी हो या खेल, स्वास्थ्य हो या रक्षा, विकास हो या गरीब कल्याण हो, आज भारत की हर नीति और हर उपलब्धि पूरे विश्व के लिए एक उदाहरण है। उन्होंने कहा कि एक सक्षम नेतृत्व से भारत कैसे आपदा को अवसर में बदलता है यह नये भारत ने पूरे विश्व को दिखाया है। गृह मंत्री ने कहा, 'जम्मू कश्मीर हो या पूर्वोत्तर या वामपंथी उग्रवाद प्रभावित चुनौतीपूर्ण क्षेत्र, जिनकी ओर दशकों तक किसी ने देखने का भी साहस नहीं किया था, वहां मोदी ने अपनी नेतृत्वशक्ति व दूरदर्शिता से विकास और शांति का नया अध्याय लिखा है। आज ये क्षेत्र पूरे देश के साथ कदम मिलाकर आगे बढ़ रहे हैं।' शाह ने कहा, 'मोदी के आत्मनिर्भर भारत का संकल्प देश को हर क्षेत्र में अग्रणी बनाने की नींव रख रहा है। इस संकल्प को सिद्ध करना हम सभी देशवासियों की जिम्मेदारी भी है और कर्तव्य भी, जिससे हम आने वाली पीढ़ी को एक सशक्त और आत्मनिर्भर भारत दे पाएं।' प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार 2014 में सत्ता में आई थी। मोदी नीत सरकार ने 2019 में अपनी सत्ता बरकरार रखी और दूसरा कार्यकाल शुरू किया। एक अलग ट्वीट में शाह ने पीएम-केयर्स (प्रधानमंत्री नागरिक सहायता एवं आपात स्थिति राहत कोष) की शुरूआत के लिए प्रधानमंत्री की सराहना की। केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'कोविड महामारी की वजह से अपने माता-पिता को खोने वाले बच्चों की देखभाल व सुरक्षित भविष्य के लिए 'पीएम-केयर्स फॉर चिल्ड्रेन' की शुरूआत कर मोदी ने देशवासियों के प्रति अपनी संवेदनशीलता को पुनः दशार्या है। उन्होंने यह कदम उठा कर बताया है कि संकट की घड़ी में पूरा देश बच्चों के साथ खड़ा है। इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद।' सोमवार को प्रधानमंत्री ने स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए छात्रवृत्ति जारी की। बच्चों को 'पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रेन' योजना के तहत पासबुक और आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत स्वास्थ्य कार्ड भी दिए गए।

कोरोना काल में अनाथ हुए बच्चों से मिले सीएम योगी, कहा- मन लगाकर पढ़िए, सरकार करेगी सहयोग

गोरखपुर (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना काल में बेसहारा हुए बच्चों को सोमवार सुबह पीएम केयर्स योजना से लाभान्वित किया। पीएम मोदी के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखनाथ मंदिर से वर्चुअल जुड़े। उनके साथ पीएम केयर्स योजना में पात्र गोरखपुर के 11 बच्चों में से 18 वर्ष की उम्र पूर्ण कर चुके पात्र भी मौजूद रहे, जबकि अन्य पात्र बच्चों को दूसरे कमरे में बैठाकर पीएम का संबोधन सुनाया गया।

सीएम योगी ने पीएम मोदी का पूरा कार्यक्रम देखने और तन्मयता से उनका संबोधन सुनने के बाद कोरोना काल में बेसहारा हुए बच्चों से मुलाकात की और उन्हें उपहार प्रदान किया। उपहार के साथ उन्हें पीएम मोदी की तरफ से आए स्नेह पत्र, पोस्ट ऑफिस में खुले उनके खातों के पासबुक और आयुष्मान हेल्थ कार्ड भी दिए गए। साथ ही मुख्यमंत्री की तरफ से इन बच्चों को स्कूल बैग, लंच बॉक्स, वाटर बॉटल व पठन सामग्री भेंट की गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बच्चों से आत्मीय संवाद करते हुए उनका हालचाल जाना, पढ़ाई के बारे में पूछा। उन्हें खूब पढ़ने और खूब आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि आपको अपनी पढ़ाई, भविष्य या अन्य किसी भी बात के लिए परेशान होने की तनिक भी जरूरत नहीं है।

सीएम योगी ने जिलाधिकारी विजय किरन आनंद और जिला प्रोबेशन अधिकारी सर्वजीत सिंह को निर्देशित किया कि इन बच्चों को कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। बता दें कि पीएम केयर्स योजना का लाभ प्रदेश के कुल 441 बच्चों को मिला है जिनमें गोरखपुर के 11 बच्चे भी शामिल हैं। गोरखपुर से पात्र 11 बच्चों में दो बालिकाएं और नौ बालक हैं।

इन 11 बच्चों में से 5 की आयु 18 वर्ष या इससे अधिक है जबकि 6 बच्चे 18 वर्ष से कम आयु के हैं। जिन बच्चों की आयु 18 वर्ष या इससे अधिक है, उन्हें इस योजना के तहत 10 लाख रुपए की धनराशि उपलब्ध कराई गई है। जबकि 18 वर्ष से कम आयु वाले पात्र बच्चों को पात्रता के अनुसार 4 लाख से लेकर 9 लाख रुपए उपलब्ध कराए गए। पीएम केयर्स योजना की धनराशि पोस्ट ऑफिस में जिलाधिकारी की गार्जियनशिप में खोले गए खातों में प्रेषित की गई। योगी सरकार कोरोना काल में अपने माता पिता दोनों या किसी एक को खोने वाले प्रदेश के 16260 तथा गोरखपुर जनपद के 714 बच्चों का सहारा बनी है। मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के तहत प्रदेश के 11049 तथा गोरखपुर के 575 ऐसे बच्चों को प्रतिमाह 4000 रुपये दिए जा रहे हैं।

एलन मस्क को वेतन के रूप में मिलते हैं 1.82 लाख करोड़, इस सूची में 7वें स्थान पर हैं सत्या नडेला

नई दिल्ली (एजेंसी)

टेस्ला और स्पेस एक्स जैसी कंपनियों के मालिक और दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क दुनिया की फॉर्च्यून-500 कंपनियों में सबसे ज्यादा वेतन पाने के मामले में भी पहले नंबर पर हैं। फॉर्च्यून लिस्ट के अनुसार, उन्हें दुनिया की किसी भी कंपनी के सीईओ से ज्यादा वेतन मिलता है। वर्ष 2021 में एलन मस्क को वेतन के तौर पर 23.5 अरब डॉलर यानी 1.82 लाख करोड़ रुपए मिले। मस्क की इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला फॉर्च्यून 500 कंपनियों में 65वें स्थान पर है।

एपल के टिम कुक सबसे ज्यादा वेतन पाने वाले सीईओ में दूसरे नंबर पर आते हैं। उन्हें 2021 में 77.05 करोड़ डॉलर यानी करीब 6 हजार करोड़ रुपये सैलरी के रूप में मिले। फॉर्च्यून 500 कंपनियों की लिस्?ट में ऐपल तीसरे स्थान पर है। एनवीआईडीआईए के को-फाउंडर और सीईओ जेनसेन हुआंग 50.7 करोड़ डॉलर के साथ तीसरे और नेटफ्लिक्स के सीईओ रीड हेस्टिंग्स इस सूची में चौथे स्थान पर हैं। सबसे ज्यादा वेतन पाने वालों की सूची की खास बात यह है कि इसमें शामिल सभी सीईओ टेक और बायोटेक कंपनियों के ही हैं। माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ भारतवंशी सत्या नडेला का नाम भी ज्यादा वेतन वालों की सूची में शामिल है। सबसे अधिक वेतन पाने वालों की सूची में नडेला सातवें नंबर हैं। उन्हें वेतन के तौर पर साल 2021 में 30.94 करोड़ डॉलर मिले हैं। नडेला पिछले छह वर्षों से बिल गेट्स की कंपनी माइक्रोसाफ्ट की कमान संभाले हुए हैं। इकोनॉमिक पॉलिसी इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट के अनुसार, एक औसत बड़ी कंपनी के सीईओ ने वास्तविक आधार पर औसत कर्मचारी के वेतन से 351 गुना अधिक पैसा कमाया है। एलन मस्क दुनिया के सबसे अमीर आदमी हैं। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के अनुसार, सोमवार को उनकी नेटवर्थ में 12.2 अरब डॉलर का उछाल आया और यह 224 अरब डॉलर पहुंच गई है। हालांकि साल 2022 में उनकी नेटवर्थ में 46.4 अरब डॉलर की गिरावट आई है।

जम्मू-कश्मीर में शांति लाने के लिए लोगों का दिल जीतना जरूरी, फारूक अब्दुल्ला ने कहा- भारतीय मुसलमानों पर करें भरोसा

श्री नगर (एजेंसी)

जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने कहा है कि जम्मू-कश्मीर में शांति तब तक हासिल नहीं की जा सकती जब तक आप लोगों का दिल नहीं जीत लेते। अब्दुल्ला नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने यह भी विचार व्यक्त किया कि भारत के पड़ोसियों को भी यह सोचना चाहिए कि हमें मिलजुल कर रहना चाहिए। अब्दुल्ला ने कहा कि आप जितने चाहें उतने सैनिक ला सकते हैं। लेकिन आप तब तक शांति नहीं ला सकते जब तक आप लोगों का दिल नहीं जीत लेते। फारुक अब्दुल्ला ने कहा कि युद्ध से यह संभव नहीं है। आप जितने चाहें उतने सैनिक ला सकते हैं, लेकिन कश्मीर में तब तक शांति नहीं होगी जब तक हम अपने पड़ोसियों से बात नहीं करते और वे भी शांति से साथ रहने के लिए तैयार नहीं हैं। यूक्रेन का हवाला देते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि आधुनिक युद्ध का मतलब है कि सामूहिक विनाश के हथियार पिछले 72 वर्षों में बनी हर चीज को नष्ट कर सकते हैं। 'जब हम बात करते हैं तो उन्हें बुरा लगता है और हम किस बारे में बात कर रहे हैं. उन्होंने अपील की हम भारतीय मुसलमान हैं, चीनी, रूसी या अमेरिकी मुसलमान नहीं, हम पर विश्वास करें। एनसी नेता की तरफ से यह बयान तब आया जब ईडी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अब्दुल्ला की जांच कर रही थी। ईडी ने अब्दुल्ला को 31 मई को पूछताछ के लिए तलब किया है।

मूसेवाला की हत्या के बाद तिहाड़ जेल में तलाशी

सिद्धू मूसेवाला मर्डर पर बड़ा खुलासा, तिहाड़ जेल में रची गई पंजाबी सिंगर की हत्या की साजिश?

नई दिल्ली (एजेंसी)

पंजाबी गायक और कांग्रेस नेता सिद्धू मूसेवाला की हत्या के पीछे बिश्नोई का हाथ होने की खबरों के बाद तिहाज जेल में तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। खबर है कि दिल्ली की तिहाड़ जेल में जेल अधिकारियों ने कैदी लॉरेंस बिश्नोई की कोठरी में तलाशी ली है। गौरतलब है कि मूसेवाला की रविवार शाम करीब 5.30 बजे बंदूकधारियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी, जब वह अपने चचेरे भाई पंजाब पुलिस ने रविवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि लॉरेंस बिश्नोई गिरोह और कनाडा के एक गैंगस्टर गोल्डी बरार ने हत्या की जिम्मेदारी ली है। हालांकि किसी भी वरिष्ठ जेल अधिकारी ने तलाशी अभियान को लेकर टिप्पणी नहीं की है। लेकिन एक मध्य-स्तरीय अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, ₹जेल 8 के अंदर बिश्नोई के हाई-रिस्क वाले सेल में तलाशी ली गई थी। सर्च टीम को कुछ प्रतिबंधित सामान मिला है। एचटी स्वतंत्र रूप से इसकी पुष्टि नहीं कर सका कि बिश्नोई की सेल मिली निषिद्ध वस्तु एक सेल फोन है या कुछ और। इस बीच जेल अधिकारियों ने यह भी कहा कि पंजाब पुलिस के तिहाड़ जाने और बिश्नोई को हिरासत में लेने की संभावना है। जेल विभाग को अभी तक पंजाब से कोई सूचना नहीं मिली है। पुलिस इस बात की जांच करेगी कि कैसे बिश्नोई कनाडा स्थित अपने सहयोगी गोल्डी बरार के संपर्क में था और जेल के अंदर से हत्या की योजना बना रहा था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर सोमवार को एचटी को बताया कि दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने कुछ महत्वपूर्ण जानकारी एकत्र की है कि पंजाबी गायक और कांग्रेस नेता सिद्धू मूस वाला की हत्या की साजिश राष्ट्रीय राजधानी में तिहाड़ जेल से जुड़ी हो सकती है। दिल्ली पुलिस के अधिकारी ने कहा कि तिहाड़ जेल से एक फोन नंबर का पता चला है। कुछ दिन पहले एक अपराधी मोहम्मद शाहरुख को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। वह कनाडा के गैंगस्टर गोल्डी बरार से बात करने के लिए एक मैसेजिंग ऐप का इस्तेमाल कर रहा था। उत्तर भारत के शीर्ष गैंगस्टरों में से एक लॉरेंस बिश्नोई के खिलाफ दिल्ली, राजस्थान और पंजाब में आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें हत्या, लूट और रंगदारी जैसे मामले शामिल हैं। बिश्नोई के करीबी संपत नेहरा को 2018 में अभिनेता सलमान खान की हत्या की साजिश रचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। बिश्नोई के करीबी सहयोगियों में से एक दिल्ली का गैंगस्टर काला जत्थेदी भी है। पिछले साल गिरफ्तारी तक जत्थेदी दिल्ली में मोस्ट वांटेड व्यक्ति था।

पंजाब में अराजकता की स्थिति, लगाया जाना चाहिए राष्ट्रपति शासन : विक्रमादित्य

शिमला। पंजाब में सिंगर और कांग्रेस नेता सिद्धू मूसेवाला की हत्या पर सियासी घमासान मच गया है। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस के एक विधायक ने मशहूर पंजाबी गायक और कांग्रेस नेता सिद्धू मूसेवाला की हत्या के बाद पंजाब में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की है। फेसबुक पर एक पोस्ट में शिमला ग्रामीण से विधायक विक्रमादित्य सिंह ने आरोप लगाया सरकार चलाना आम आदमी पार्टी के बस की बात नहीं है। दरअसल, पंजाब के मशहूर गायक सिद्धू मूसेवाला की रविवार को पंजाब के मानसा जिले में अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। उनकी उम्र महज 28 साल ही थी। उनके साथ महिंद्रा थार जीप में यात्रा कर रहे उनके चचेरे भाई और एक दोस्त हमले में घायल हो गए। मूसेवाला ने हालिया विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर मानसा से चुनाव लड़ा था और आम आदमी पार्टी (आप) के विजय सिंगला से हार गए थे।

मौलाना मदनी बोले- ज्ञानवापी मुद्दे को बातचीत या कोर्ट के जरिए सुलझाया जा सकता है

नई दिल्ली। (एजेंसी)

जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी ने आज कहा कि काशी ज्ञानवापी मस्जिद मुद्दे को या तो बातचीत से सुलझाया जा सकता है या अदालत को इस पर अपना फैसला देना चाहिए। दिन भर चलने वाले इंडिया टीवी संवाद कॉन्क्लेव में सवालों के जवाब देते हुए मौलाना मदनी ने कहा, 'हमारे संगठन (जमियत) ने इस मुद्दे पर किसी भी सार्वजनिक मंच पर नहीं बोलने का फैसला किया है, लेकिन चूंकि आप पूछ रहे हैं तो मैं आपको इतना बता देंता हूं कि इस मुद्दे को या तो बातचीत या फिर अदालत के जरिए सुलझाया जा सकता है। ज्ञानवापी को राष्ट्रीय मुद्दा बनाने की कोशिश करके लोगों को आपस में न बांटें। हमारे संगठन ने इस मुद्दे पर किसी भी टीवी डिबेट में हिस्सा न लेने का फैसला किया है क्योंकि मामला विचाराधीन है, और डिबेट से कोई हल निकलने वाला नहीं है।'

मुसलमानों की संपत्तियों पर बुल्डोजर चलाए जाने के मुद्दे पर मदनी ने कहा, 'हम कोर्ट में इस मामले को लड़ेंगे। खरगोन के साथ-साथ तमाम बाकी जगहों पर सरकार ने निष्पक्ष तरीके से काम नहीं किया। यह सरासर अन्याय है और हम उम्मीद करते हैं कि भविष्य में इस तरह की तोड़फोड़ नहीं होगी।' मौलाना मदनी ने कहा, 'मुझमें और AIMIM असदुद्दीन ओवैसी में थोड़ा अंतर है। वह मुसलमानों को एकजुट करने की बात करते हैं, लेकिन मैं सभी भारतीयों को एकजुट करने की बात करता हूं। हमें सभी भारतीयों के समर्थन की जरूरत है। हम अगले एक साल में 1,000 'सद्भावना संसद' आयोजित करेंगे, जबकि बाकी लोग नफरत फैलाने के लिए 'धर्म संसद' आयोजित कर रहे हैं।'

मौलाना मदनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'आजाद' विदेश नीति की तारीफ की। उन्होंने कहा, 'हाल के महीनों में उनकी विदेश नीति तारीफ के काबिल है। लंबे समय के बाद, हम विदेश नीति में भारत की स्वतंत्र भूमिका को देख रहे हैं।' यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें लगता है कि प्रधानमंत्री मोदी का हर मुस्लिम युवा के 'एक हाथ में कुरान और दूसरे में लैपटॉप' की सोच जमीन पर उतरती दिखाई दी है, मौलाना मदनी ने कहाः 'नहीं। अभी तो आम मुस्लिम नौजवान अपनी इज्जत बचाने के लाले पड़े हुए हैं। अभी बेचारे कॉर्नर्ड हैं। उनके खिलाफ माहौल बनाया जा रहा है। जिन लोगों पर इनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी है, वे अपना काम नहीं कर रहे हैं। देश में कानून का शासन होना चाहिए और जो दोषी हैं उन्हें सजा मिलनी चाहिए, और निर्दोष की निष्पक्ष तरीके से रक्षा की जानी चाहिए।'

तीन तलाक को खत्म करने के मुद्दे पर मदनी ने कहा, 'हम कहते हैं कि तलाक ही नहीं होना चाहिए। हम तो चाहते हैं कि 'निकाह' से पहले सभी जोड़ों को तीन दिन की ट्रेनिंग दी जाए। सर्टिफिकेट नहीं देने वालों की शादी नहीं होनी चाहिए।' लाउडस्पीकरों से 'अजान' के मुद्दे पर मदनी ने माना कि ध्वनि प्रदूषण को रोकने के लिए लाउडस्पीकरों से 'अजान' का वॉल्यूम तय सीमा के भीतर होनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'मुझे खुशी है कि यूपी सरकार ने बिना किसी भेदभाव के उन सभी धार्मिक स्थलों के खिलाफ कार्रवाई की, जो लाउडस्पीकर का इस्तेमाल कर रहे थे। लेकिन कुछ लोग ऐसे भी हैं जो एक खास 'अजान' को निशाना बनाने की कोशिश करते हैं। यह भारत की आत्मा के खिलाफ है।'

यूपी सरकार द्वारा किसी भी नए मदरसे को अनुदान न देने के फैसले पर मौलाना मदनी ने कहा, 'मैं चाहता हूं कि सरकार सभी मौजूदा मदरसों को भी अनुदान रोक दे। मैनेजमेंट को खुद फंड की व्यवस्था करके मदरसे चलाने चाहिए। सरकार को मुस्लिम बहुल इलाकों में स्कूल बनाना चाहिए। मुस्लिम समुदाय को सभी लड़कों और लड़कियों को अनिवार्य रूप से स्कूल भेजना चाहिए।'

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नरेश पटेल के राजनीति में प्रवेश को लेकर एक और नई तारीख

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

अहमदाबाद,पाटीदारों के आस्था के केन्द्र खोडलधाम ट्रस्ट के प्रमुख नरेश पटेल के राजनीति में प्रवेश को लेकर एक और नई तारीख सामने आई

है। पिछले काफी समय से नरेश पटेल राजनीति जॉइन करने के संदर्भ में आंखमिचौली खेल रहे हैं। भाजपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) नरेश पटेल को अपने पाले में लाने के प्रयास कर रही है, लेकिन अब तक यह साफ नहीं हुआ कि वह किस राजनीतिक दल के साथ जाएंगे। भाजपा, कांग्रेस और आप नेता नरेश पटेल से कई बार मुलाकात कर चुके हैं। माना जा रहा था कि 31 मई को नरेश पटेल राजनीति में प्रवेश के बारे में कोई ऐलान करेंगे। परंतु फिर एक बार नई तारीख सामने आई है। जानकारी के मुताबिक नरेश पटेल आगामी 15 जून तक राजनीति में प्रवेश को लेकर घोषणा कर सकते हैं। फिलहाल समाज के लोगों के साथ विचार-विमर्श चल रहा है और इसके बाद ही राजनीति में प्रवेश को लेकर कोई ऐलान करेंगे। नरेश पटेल के राजनीति में प्रवेश को लेकर राज्यसभा सांसद राम मोकरिया की प्रतिक्रिया सामने आई है। भाजपा सांसद राम मोकरिया ने कहा कि नरेश पटेल एक अच्छे उद्योगपति और सामाजिक नेता हैं, उन्हें राजनीति से दूर ही रहना चाहिए। हांलाकि राजनीति जॉइन करना या नहीं यह खुद तय करना है। नरेश पटेल मेरे अच्छे मित्र हैं, इस नाते मेरा सुझाव है कि उन्हें उद्योगपति और सामाजिक नेता के तौर पर काम करते रहना चाहिए। मोकरिया ने कहा कि सामाजिक कार्यकर्ता के तौर पर नरेश पटेल काफी अच्छा काम कर रहे हैं और समाज को जोड़कर रखा है। अगर वह राजनीति में प्रवेश करना चाहते हैं तो यह उनकी मर्जी है। हांलाकि नरेश पटेल को कौन सी पार्टी जॉइन करनी है, यह उन्हें स्वयं तय करना है। इसमें कोई हस्तक्षेप नहीं कर सकता। वहीं आप के गुजरात प्रदेश प्रमुख गोपाल इटालिया ने कहा कि मुख्यमंत्री बनने के लिए पहले राजनीतिक दल जॉइन करना पड़ेगा। पार्टी किस प्रकार जीत सकती है, इसकी रणनीति बनानी पड़ेगी। गुजरात के लोग परिवर्तन चाहते हैं और नरेश पटेल को परिवर्तन यात्रा से जुड़ना चाहिए।

प्रधानमंत्री के दूरदर्शी निर्णय वाली 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना' बनी किसानों का आधार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी निर्णय के जरिए देश के किसानों की आय दोगुनी कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए केंद्र सरकार ने अनेक निर्णय किए हैं। जिसके अंतर्गत प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत देशभर के लाखों किसानों को वित्तीय सहायता दी जाती है। योजना के अंतर्गत अब तक जारी की गई 10 किस्तों में गुजरात के किसानों को सीधे उनके बैंक खाते में 10,334 करोड़ रूपए का भुगतान किया गया है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को ज्यादा गतिशील बनाने के लिए प्रधानमंत्री ने किसानों के लिए अनेक नए आयाम शुरू कर किसानों की आय दोगुनी करने के मजबूत संकल्प के साथ समयबद्ध आयोजन किया है। जिसके परिणामस्वरूप कृषि उत्पादन में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। प्रधानमंत्री ने किसानों के कृषि उत्पादन में वृद्धि तथा खेती की उत्पादन लागत को कम करने के लिए देश के छोटे एवं सीमांत किसानों के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना 1 फरवरी, 2019 से कार्यान्वित की है। गुजरात की यदि बात करें तो यहां खेती मुख्य रूप से छोटे-छोटे खेतों में विभाजित है, साथ ही यह बहुत हद तक वर्षा पर निर्भर है। भारत सरकार ने किसानों की आय में वृद्धि कर किसान परिवार को सहायता के लिए सौ फीसदी केंद्र प्रायोजित योजना के रूप में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना लागू की गई है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व और कृषि मंत्री राघवजीभाई पटेल के मार्गदर्शन में इस योजना के अंतर्गत किसान परिवारों को हर साल 6000 रूपए की सहायता का भुगतान प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के जरिए किया जाता है। यह सहायता हर चार महीने में तीन समान किस्तों में वितरित की जाती है। यदि पति, पत्नी और नाबालिग बच्चों में से किसी के भी पास व्यक्तिगत या संयुक्त रूप से खेती योग्य जमीन है तथा वे अन्य किसी सहायता के लिए अपात्रों की सूची में शामिल हैं, ऐसे सभी किसान परिवार सहायता के पात्र होंगे। इस योजना का लाभ उठाने के लिए खातेदार किसान को उसके गांव में निर्दिष्ट सेवा प्रदाता के माध्यम से digitalgujarat.gov.in (डिजिटलगुजरात डॉट जीओवी डॉट इन) पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदक को सभी विवरणों के साथ भरे फॉर्म और संलग्न शपथपत्र की हस्ताक्षरित प्रिंट लेकर बैंक अकाउंट के विवरण के लिए चेक या पासबुक की प्रतिलिपि और आधार कार्ड की स्व-प्रमाणित प्रतिलिपि डेटा एंट्री केंद्र में जमा किसान परिवारों को अब तक 10 किस्तों की कुल 10,334 करोड़ रूपए की रकम का भुगतान सीधे उनके बैंक खातों में किया गया है। इस तरह यह योजना किसानों के लिए बहुत लाभदायी साबित हो रही है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की पहली किस्त के लिए 1 दिसंबर, 2018 से 31 मार्च, 2019 की अवधि निर्धारित की गई थी। उसके बाद हर चार महीने की अवधि में सहायता दी जाती है। पहले इस योजना के अंतर्गत ऐसे किसान परिवार को सहायता दी जाती थी, जिसके सभी सदस्यों के संयुक्त स्वामित्व वाली खेती योग्य जमीन 2 हेक्टेयर तक होती थी। बाद में 7 जून, 2019 से 2 हेक्टेयर की सीमा को हटाकर सभी किसानों का समावेश किया गया है।

इस योजना के अंतर्गत करानी होगी। इस योजना के क्रियान्वयन के पहले वर्ष की पहली किस्त के लिए आधार कार्ड नंबर नहीं हो, तो ऐसे मामले में पहचान पत्र के रूप में आधार नामांकन नंबर, ड्राइविंग लाइसेंस या वोटर आईडी कार्ड देना होगा। लेकिन उसके बाद आधार कार्ड तथा आधार सीडेड बैंक खाते का विवरण अनिवार्य रूप से देना होता है। इसके पश्चात किसान को योजना का लाभ मिलने लगता है। इस योजना के जरिए गरीब किसान परिवार बेहतर गुणवत्ता के बीज और उर्वरक की खरीद कर सकता है, और इस तरह वह आर्थिक रूप से सशक्त बन सकता है। राज्य में इस योजना के अंतर्गत गुजरात के लाभार्थी 24 मई, 2022 तक 63.31 लाख किसान परिवारों को पहली किस्त, 62.79 लाख परिवारों को दूसरी किस्त, 62.36 लाख किसान परिवारों को तीसरी किस्त, 59.42 लाख किसान परिवारों को चौथी किस्त, 58.13 लाख किसान परिवारों को पांचवीं किस्त, 56.06 लाख किसान परिवारों को छठी किस्त, 53.80 लाख किसान परिवारों को सातवीं किस्त, 51.02 लाख किसान परिवारों को आठवीं किस्त, 46.49 लाख किसान परिवारों को नौवीं किस्त, 48.17 लाख किसान परिवारों को दसवीं किस्त का भुगतान किया जा चुका है। जबकि 28.90 लाख किसान परिवारों को ग्यारहवीं किस्त की रकम भेजने के लिए कुल 11,809.30 करोड़ रूपए के भुगतान का आदेश दिया गया है।

मुख्यमंत्री की मौजूदगी में गुजरात सरकार, टाटा मोटर्स और फोर्ड इंडिया के बीच त्रिपक्षीय समझौता

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गांधीनगर,मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में सोमवार को गांधीनगर में गुजरात सरकार, टाटा मोटर्स की सहायक कंपनी टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड (टीपीईएमएल) और फोर्ड इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एफआईपीएल) के बीच त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। गुजरात सरकार द्वारा वर्ष 2011 में फोर्ड इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ किए गए स्टेट सपोर्ट एग्रीमेंट के संबंध में तथा टाटा मोटर्स की सहायक कंपनी टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड के बीच हुए समझौते के संदर्भ में यह त्रिपक्षीय समझौता करार किया गया है। तदअनुसार, टाटा मोटर्स लिमिटेड फोर्ड इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साणंद संयंत्र को सभी जमीनों, इमारत, वाहन असेंबली इकाई और प्लांट की मशीनरी के साथ अधिग्रहित करेगा। इतना ही नहीं, फोर्ड इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के वाहन असेंबली प्लांट के सभी कर्मचारियों को टाटा मोटर्स में शामिल कर लिया जाएगा। फोर्ड इंडिया प्रा. लि. साणंद स्थित संयंत्र में इंजन का उत्पादन जारी रखेगा और इसके लिए टाटा मोटर्स उसे पट्टे पर जमीन उपलब्ध कराएगा।

गुजरात में पीएम आवास योजना के माध्यम से कुल 9.76 लाख से अधिक घर बनाकर नागरिकों को उनका 'सपनों का घर ' मिला

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्त्व में केंद्र सरकार द्वारा भारत के सभी बेघर लोगों के सिर पर पक्की छत अर्थात् पक्के मकान उपलब्ध करवाकर उनका जीवन स्तर ऊँचा लाने का दृढ़ संकल्प किया गया है। इसके परिणामस्वरूप प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत गुजरात में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के कुशल नेतृत्त्व में शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में कुल ९.७६ लाख से अधिक नए मकानों का निर्माण कर बेघर लोगों को घर देकर उनके 'सपने के घर' को साकार किया है। गुजरात में गृह निर्माण-ग्राम विकास मंत्री अर्जुनसिंह चौहान तथा राज्य मंत्री ब्रिजेश मेरजा के लगातार मार्गदर्शन में आगामी वर्ष 2024 तक सभी बेघर तथा कच्चे मकानों में रहने वालें नागरिकों को सुविधायुक्त पक्के मकान देकर लाखों परिवारों के 'सपनों के घर' को साकर करने का दृढ़ संकल्प किया गया। मध्यम वर्ग के सभी लोगों को घर मुहैया कराने के उमदा उद्देश्य से गुजरात में पीएम आवास योजना के अंतर्गत शहरी क्षेत्रों में कुल 8.61 लाख, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में कुल 4.49 लाख नवीन घरों के निर्माण का लक्ष्य निश्चित किया गया है। इसे पूरा करने के लिए संबंधित विभाग द्वारा युद्ध स्तर पर कार्य किया जा रहा है। गुजरात सहित समग्र भारत में पीएम आवास योजना के अंतर्गत जरूरतमंदों को उनका नया पता देने हेतु अभी तक कुल 3.10 करोड़ से अधिक नवीन मकानों का निर्माण किया गया है।